



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 46]

इस विलो, शनिवार, नवम्बर 15, 1980/कार्तिक 24, 1902

No. 46]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 15, 1980/KARTIKA 24, 1902

इस भाग में विभिन्न पृष्ठ संलग्न की जाती हैं जिससे कि यह भला संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate pugling is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—बाण 3—उप-बाण (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संवर प्रतिक्रिया को छोड़कर)

केन्द्रीय अधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण विधि

जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं

**General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of a general character) issued by the
Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central
Authorities (other than the Administrations of Union Territories)**

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

इस विलो, 1 नवम्बर, 1980

सं. का० नि० 1173.—केन्द्रीय सरकार, विविध प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का 5) की प्रथम अनुसूची के भाग 27 के नियम 8-वां के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त विधियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व विधि मंत्रालय की अधिसूचना सं. मा० का० नि० 1412, तारीख 25 नवम्बर, 1960 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, प्रथात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, उत्तर प्रदेश से संबंधित शीर्ष 13, उत्तर प्रदेश के नीचे मद (क) और उसमें संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित मद और प्रविष्टियां रखी जाएंगी, प्रथात् :—

(क) उच्च न्यायालय दस्तावेज (1) श्री अंशुमन मिह, केन्द्रीय सरकार का ज्येष्ठ स्थायी काउंसेल।
 (2) श्री रवि एम० धव०, केन्द्रीय सरकार का अपर स्थायी काउंसेल।
 (3) श्री चन्द्र किशोर, केन्द्रीय सरकार का अपर स्थायी काउंसेल।
 (4) श्री अशोक मोहिने, केन्द्रीय सरकार का अपर स्थायी काउंसेल।

[सं. 36(6)/8-न्यायिक]
एच० जी० मण्डल, अव० रमेश

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 1st October, 1980

G.S.R. 1173.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of rule 83 of order XXVII of the First Schedule to the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Law No. G.S.R. 1412, dated the 25th November, 1980, namely :—

In the Schedule to the said notification, under the heading 13, Uttar Pradesh, relating to Uttar Pradesh for item (a) and the entries relating thereto, the following item and entries shall be substituted, namely :—

(a) High Court, Allahabad :

(i) Shri Anshuman Singh,
Senior Central Government Standing Counsel.
 (ii) Shri Ravi S. Dhavan,
Additional Central Government Standing Counsel.
 (iii) Shri Chand Kishore,
Additional Central Government Standing Counsel.
 (iv) Shri Ashok Mohiloy,
Additional Central Government Standing Counsel.

[No. 36(6)/80-Judl.]
H. G. MANDAL, Under Secy.

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई विल्ली, 28 अक्टूबर, 1980

सा० का० नि० 1174—भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 443(ज) तारीख 18 अक्टूबर, 1972 के साथ पठिल, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तु क्वारा प्रदान शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रणाली विभाग) को अधिसूचना सं० सा० नि० आ० 3216 तारीख 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना (जिसे इसमें इसके पश्चात् अधिसूचना कहा गया है) में आधिक उपात्तर करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड एवं एतद्वाया यह निर्देश देती है कि मै० फर्द एनोरेस्ट्रेटिंग कार्पोरेशन जिसे इसमें इसके पश्चात् कम्पनी कहा गया है के मामले में, जो एक विदेशी कम्पनी है, उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के अन्तर्गत (क) की अपेक्षाएँ जैसे कि वे किसी विदेशी कम्पनी के अपने लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपात्तरित की गई है, निम्नलिखित अन्य अपवादों तथा उपात्तरों के अध्ययन रहते हुए लागू होंगे, अर्थात्—

यदि 31-3-77 से 31-3-79 तक के वित्तीय वर्षों की समाप्ति का बाबत कम्पनी भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रार की यू० एम० डाक्टर में भारतीय शाखा के लेजे की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के अन्तर्गत (क) के उपवर्त्तों का पर्याप्त अनुपालन हम्मा समझा जाएगा।

कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश से

[फाइल सं० 14/16/79-सी०एल०-6]

बी० प्रसाद, अवार सचिव कम्पनी कार्य विभाग

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 28th October, 1980

G.S.R. 1174.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Department of Company Affairs, Notification No. G.S.R. 443(E) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957, (hereinafter referred to as the Notification) the Company Law Board hereby directs that in the case of M/s. First Emirates Trading Corporation (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely:—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended 31-3-77 to 31-3-79 the company submits to the appropriate Registrars of Companies in India in triplicate the accounts of the Indian branch in U.S. Dollar.

By order of the Company Law Board
[No. 14/16/79-CL. VI]

B. PRASAD, Under Secy.
to the Company Law Board

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई विल्ली, 21 अक्टूबर, 1980

प्रधान कार्य संस्थापन

सा० का० नि० 1175.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (भारतवार के संव्यवहार का विनियमन) नियम, 1964 के नियम 3 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वाया श्री अवतार सिंह, सरस्वत, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड को, 29 सितम्बर, 1980 के पृष्ठत्र से 21

नवम्बर, 1980 तक, श्री श्री० श्री० कुरुविल्ला के स्थान पर, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त करती है, श्री श्री० श्री० कुरुविल्ला को दूसरी प्रवान की गई है।

[का० सं० ए० 19011/34/7-9प्रशा-1]
ए० एन० सरीन, अवार सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 21st October, 1980

HEADQUARTERS ESTABLISHMENT

G.S.R. 1175.—In exercise of the powers conferred by Rule 3 of the Central Board of Direct Taxes (Regulation of Transaction of Business) Rules, 1964, the Central Government hereby appoints Shri Avtar Singh, Member, Central Board of Direct Taxes as Chairman of the Central Board of Direct Taxes with effect from the 29th September, 1980 (F.N.) and upto 21st November, 1980, vice Shri O. V. Kuruvilla granted leave.

[F. No. A. 19011/34/79-Ad. 1]
A. N. SAREEN, Under Secy.

नई विल्ली, 15 नवम्बर, 1980

सा० का० नि० 1176—साल्प्रपति, संविधान के प्रत्यक्ष द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग रहते हुए, समझौता आयोग (आयकर/धनकर) (अध्यक्ष और सदस्यों की सेवा की शर्तें) नियम, 1976 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाये हैं, अर्थात्

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम समझौता आयोग (आयकर/धनकर) (अध्यक्ष और सदस्यों की सेवा की शर्तें) संशोधन नियम 1980 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. समझौता आयोग (आयकर/धनकर) (अध्यक्ष और सदस्यों की सेवा की शर्तें) नियम, 1976 में, नियम 6 के पश्चात् निम्नलिखित नियम, नियम 6 के रूप में दोड़ा जाएगा, अर्थात्—

“०क माध्यरण भविष्यनिधि और अभिदायी भविष्य निधि में अभिदाय:

(क) अध्यक्ष और सदस्य साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 के अधीन भविष्य निधि आते में उसी रीति से अभिदाय करने के हकदार होंगे जिस रीति में केन्द्रीय सरकार का कोई अन्य सेवक है।

(ब) ऐसा अध्यक्ष या ऐसे यदस्ता, जो मरहारी सेवा से रोबानिवृति के पश्चात् पुनर्नियोजित किए जाते हैं, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो केन्द्रीय सरकार के पुनर्नियोजित सेवकों को लागू हों, अभिदायी भविष्य निधि नियम (भारत) 1962 के अधीन अभिदायी भविष्य निधि आते में अभिदाय करने के लिए हकदार होंगे।”

[सं० 22/80/का० सं० 21/47/80-ए० शी०-1-ए (सी)]

New Delhi, the 15th November, 1980

G.S.R. 1176.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution of India, the President hereby makes the following rules to amend the Sittle-

ment Commission (Income Tax/Wealth Tax) (Conditions of Service of Chairman and Members) Rules, 1976, namely :—

1. (1) These rules may be called the Settlement Commission (Income Tax/Wealth Tax) (Conditions of Service of Chairman and Members) Rules, 1976, namely :—

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Settlement Commission (Income Tax/Wealth Tax) (Conditions of Service of Chairman and Members) Rules, 1976, after rule 6 the following rule shall be added as rule 6A, namely :—

"6A. Contributions to General Provident Fund and Contributory Provident Fund :

(a) The Chairman and Members shall be entitled to make contributions towards General Provident Fund Account under the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960 in the same manner as any other Central Government servants.

(b) Such of the Chairman and Members as are re-employed after retirement from Government Service shall be entitled to contribute towards the Contributory Provident Fund Account under the Contributory Provident Fund Rules (India), 1962, subject to such conditions as are applicable to re-employed Central Government servants."

[No. 22/80/F. No. 21/47/80-Ad. I-A (C)]

स्त्रा० का० नि० 1177.—केन्द्रीय सरकार, तस्कर और विवेशी मुद्रा छलसाधक (सम्पत्ति सम्पर्हण) अधिनियम, 1976 (1976 का 13) की धारा 26 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सम्पर्हण सम्पत्ति अधिकरण (प्रधान और सदस्यों की सेवा की शर्तें) नियम, 1978 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का मंशित नाम सम्पर्हण अधीन अधिकरण (प्रधान और सदस्यों की सेवा की शर्तें) संशोधन नियम, 1980 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशित की जानीवा से प्रदृश होंगे।

2. सम्पर्हण सम्पत्ति अधीन अधिकरण (प्रधान और सदस्यों की सेवा की शर्तें) नियम, 1978 में नियम 11 के पश्चात् नियम 11क के रूप में निम्नलिखित नियम जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

"11क—माधारण भविष्य निधि और अभिदारी भविष्य निधि में अधिदाय :

(क) प्रधान और सदस्य माधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 के अधीन माधारण भविष्य निधि खासे में उनी रीति से अभिदाय करने के हकदार होंगे जिस रीति में केन्द्रीय सरकार का कोई अन्य सेवक है।

(ख) ऐसा प्रधान और ऐसे सदस्य जो सरकारी सेवा से सेवा नियुक्ति के पश्चात् पुनः नियोजित किए जाते हैं, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जो केन्द्रीय सरकार के पुनः नियोजित सेवकों को लागू हों, अभिदारी-भविष्य निधि नियम (भारत), 1962 के अधीन अभिदारी भविष्य निधि ज्ञाने में अभिदाय करने के लिए हकदार होंगे।"

[सं० 23/80/का० सं० 22/29/80-ए०ड०-१-ए(सी)]

कैलाश पतिवत्त ईडन, डेस्क अधिकारी

G.S.R. 1177.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 26 of the Smugglers and Foreign Exchange Manipulators (Forfeiture of Property), Act, 1976 (13 of 1976), the Central Government hereby makes the following

rules to amend the Appellate Tribunal for Forfeited Property (Conditions of Service of Chairman and Members) Rules, 1978, namely :—

1. (1) These rules may be called the Appellate Tribunal for Forfeited Property (Conditions of Service of Chairman and Members) Amendment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Appellate Tribunal for Forfeited Property (Conditions of Service of Chairman and Members) Rules, 1978, after rule 11, the following rule shall be added as rule 11A, namely :—

"11A. Contributions to General Provident Fund and Contributory Provident Fund :

(a) The Chairman and members shall be entitled to make contributions towards General Provident Fund Account under the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960 in the same manner as any other Central Government servant.

(b) Such of the Chairmen and members as are re-employed after retirement from Government service shall be entitled to contribute towards the Contributory Provident Fund Account under the Contributory Provident Fund Rules (India), 1962 subject to such conditions as are applicable to re-employed Central Government servants."

[No. 23/80/F. No. 22/29/80-Ad. I-A (C)]

KAILASH P. D. TONDON, Desk Officer

(आधिकारिक कार्य विधान)

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1980

स्त्रा० का० नि० 1178.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु इस प्रकाश शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा भारत प्रतिभूति मुद्रणालय (श्रेणी 1 और श्रेणी 2 के पद) भरती नियमावली, 1968 में और भारी संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों को भारत प्रतिभूति मुद्रणालय (श्रेणी 1 और श्रेणी 2 के पद) भरती (संशोधन) नियमावली, 1980 कहा जाएगा।

(2) ये नियम भारत के राजपत्र में इनके प्रकाशित किए जाने की जानीवा से लागू होंगे।

2. भारत प्रतिभूति मुद्रणालय (श्रेणी 1 और श्रेणी 2 के पद) भरती नियमावली 1968 की अनुप्रृच्छी में, "उत्तर प्रवर्गन्ध" के पद से संबंधित कम संख्या 3 में :—

(i) कालम 7 में वर्तमान प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

टिप्पणी 1 : संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार उन अध्यायियों के संबंध लिए अहंकारों के संबंध में छूट दी जा सकती है जो अन्यथा सुधारित है।

टिप्पणी 2 : अनुमूलित जातियों और अनुमूलित जन जातियों से सम्बन्धित अध्यायियों के संबंध में, यदि चुनाव के किसी भी दौर में संघ लोक सेवा आयोग की राय में, उनके लिए आवश्यक पदों को भरने के लिए इन समुदायों के प्रवेशित अनुभव प्राप्त अध्यायियों के पर्याप्त संख्या में मिलने की संभावना न हो तो उनके अनुभव के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार छूट दी जा सकती है।"

(ii) कालम 11 में वर्तमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्ननिम्निक्षिप्त प्रविष्टिया प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“पदोन्नति :—

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में कार्य प्रबन्धक के रूप में इस पदकम में 3 वर्षों की नियमित सेवा, जिसमें उप मास्टर के भूत्तपूर्व पद पर की नियमित सेवा से की गई सेवा भी शामिल है।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण :—

केन्द्रीय सरकार के अधीनस्थ वे अधिकारी जिनकी अनुमति पदों पर प्रथमा 1500—1800 रुपए / 1300—1700 रुपए के बेतनमान वाले पदों पर 3/5 वर्ष की सेवा हो अर्थात् जो कालम 7 में सीधी भरती वाले कर्मचारियों के लिए निविष्ट अंहृता तथा निर्धारित अनुभव प्राप्त हों। (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः चार वर्षों से अधिक नहीं होगी)।”

(iii) कालम 12 में वर्तमान प्रविष्टियों के पश्चात् निम्ननिम्निक्षिप्त “टिप्पणी” जोड़ दी जाएगी, अर्थात् :—

“टिप्पणी : विभागीय पदोन्नति समिति की कार्यवाई की रिपोर्ट अनुमोदन के लिए संघ लोक सेवा आयोग को भेजी जाएगी। लेकिन यदि कार्यवाई की रिपोर्ट आयोग द्वारा अनुमोदित नहीं की जाएगी तो विभागीय पदोन्नति समिति को नई बैठक मूलाई जाएगी, जिसकी अध्यक्षता, अध्यक्ष या संघ लोक सेवा आयोग का मदरस करेगा।”

[सं. एफ. 5/80/79-केरेसी]
जी. बी. भल्ला, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 24th September, 1980

G.S.R. 1178.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the India Security Press (Class I and Class II Posts) Recruitment Rules, 1968, namely :—

1. (i) These Rules may be called the India Security Press (Class I and Class II Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1980.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the India Security Press (Class I and Class II Posts) Recruitment Rules, 1968, in serial number 3 relating to the post of “Deputy General Manager”,—

(i) in column 7 after the existing entries, the following shall be added namely :—

“Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates otherwise well qualified.

Note 2 : The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.”

(ii) in column 11, for the existing entries the following entries shall be substituted, namely :—

“Promotion :—

Works Manager in the India Security Press with 3

years regular service in the grade, including the regular service rendered in the erstwhile post of Deputy Master.

Transfer on Deputation :—

Officers under the Central Government holding analogous posts or with 3/5 years service in posts in the scale of Rs. 1500—1800/Rs. 1300—1700 or equivalent respectively and possessing the qualifications prescribed for direct recruits in column 7. (period of deputation shall not exceed 4 years)."

(iii) in column 12 after the existing entries the following ‘Note’ be added namely :—

“Note :—The proceedings of the Departmental Promotion Committee shall be sent to the Union Public Service Commission for approval. If, however, these are not approved by the said Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or Member of the Union Public Service Commission shall be held.”

[No. F. 5/80/79-CY]
G. B. BHALLA, Under Secy.

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर, 1980

सांकेतिक 1179.—20 जनवरी, 1979 के भारत के राजपत्र के भाग II, अंक 3, उपखण्ड (i) में १८५ पर प्रकाशित भारत सरकार, विषय मुद्रणालय (आधिकारिक कार्य विभाग) की अधिसूचना सं. 1979 की सांकेतिक 77 में नियम 1, उप नियम (i) में अंक “1978” के स्थान पर “1979” पढ़ा जाए।

[सं. एफ. 18(9) प्र. I/68-(खण्ड ii)]
तिं श. गृहणास्वामी, अवर सचिव

ERRATA

New Delhi, the 22nd October, 1980

G. S. R. 1179.—In the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. GSR 77 of 1979, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated 20th January, 1979 at page 185 in rule 1, Sub-rule (i), for the figures ‘1978’, read 1979.

[No. F. 18 (9)-Admn. I/68-(Vol. II)]
T. B. KRISHNASWAMI, Under Secy

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहरणालय

मुद्रारूप, 11 अक्टूबर, 1980

सांकेतिक 1180.—30-06-1980 को समाप्त तिमाही के दौरान सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के उपायन्यों तथा इनके अन्तर्गत अन्य गये नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों का विवरण तथा उक्त अपराध के लिए न्यायालय द्वारा दोषी ठहराये गये व्यक्ति जिन पर विभाग द्वारा रु 10,000 या इससे अधिक रुपये की मात्रासे अधिकारित की गई है, विवरण निम्न प्रकार से है :—

क्रम दोषी ठहराये गये व्यक्ति उल्लंघन द्वारा ग्रीष्म दो गई सारे सं. का नाम तथा पता

(1)	(2)	(3)
1. श्री ए. सहूल हमीद, भास्मजून भास्मुल रामान, 26, वेस्ट स्ट्रीट, बैदाल।	सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 द्वारा 135(1)(ए)(i) का उल्लंघन करने पर, रामानाथ-	(ए० १) पुरम के उपमंडलीय जुड़ी-

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
श्री मार्गहीन अव्युत खादर, आत्मज० मुलतान इमारीम, जगधा पट्टियम, झरंगांधी (तालुक)	(ए०२)	शियल मजिस्ट्रेट ने अपना/ निर्णयन सी० सी० स० ६८४/ ७९ ता० २०-९-८० में हरेक को ६ महीनों की सख्त कारावास की सजा सुनाई ।			मूल्यवान नैनात के मछली जाने, जिप फास्टनर, नारियल का तेल, टाइलेट साबुन आदि सरकार के पक्ष में पूर्ण रूप से जब्त की ओर डी०ओ०आर० स० १५७/७८-७९ के अनु- सार० ए० २००० की प्रत्यक्ष शास्ति अधिरोपित की ।
श्री एम०एम० साहुल हमीद, आत्मज० मुहम्मद भुमू, पुराना दो० स० ३५, कस्तम्म रोड, कीसकरे, रामनाथपुरम जिला	(ए०३)	समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ओर सीमा शुल्क, मधुरई ने र० १,४६,१८१ मूल्यवान सोना, भ्रष्ट-जवाहिरात, और कलाई बड़िया सरकार के पक्ष में पूर्ण रूप से जब्त की ओर हमाहर्ता के आवेदन सी० सी० स० VIII/१०/१०/७९- सीमा २ आदेश स० ६४/७९ ता० १७-१०-७९ के अनुसार ए० १ पर र० ५०००- ए० २ पर र० ३०००- ए० ३ पर र० २०००- ए० ४ पर र० २००० और ए० ५ पर र० २००० की प्रत्यक्ष शास्ति अधिरोपित की ।	४ श्री के० मुनियांडी सेहवै, आत्मज० कायम्बु सेहवै, ३०, तुलसी भमादम, रामेश्वरम, रामनाथपुरम जिला	सीमा शुल्क अधिनियम, १९६२ की धारा १३५ (१) (ए) (ii) का उल्लंघन करने पर रामनाथपुरम के उपमंडलीय जुड़िशियल मजिस्ट्रेट ने अपना/ निर्णयन सी० सी० ३२/८० ता० २०-९-८० में हरेक को र० ५०० जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई । जुर्माना अदा न करने पर तीन महीनों की सख्त कारावास की सजा सुनाई ।	
श्री के० कुरुसामी आत्मज० कर्णपथ्य सेहवै ४/१७८, कील पल्लिवासल स्ट्रीट, परम्पुडी, रामनाथपुरम, जिला	(ए०५)	सीमा शुल्क प्रभाग रामनाथपुरम के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक समाहर्ता ने डी०ओ०आर० स० ६८/७७-७८ के अनुसार र० १६,२५० मूल्यवान ६५ किलो ग्राम लोंग सरकार के पक्ष में पूर्ण रूप से जब्त की ।	५. श्री मुहम्मद नूरजान, आत्मज० ए०सी०जैन, २४२/३३, मुत्तुवाल, मवता, कोलम्बो	सीमा शुल्क अधिनियम, १९६२ की धारा १३५ (१) (ए) (ii) का उल्लंघन करने पर रामनाथपुरम के उपमंडलीय जुड़िशियल मजिस्ट्रेट ने अपना/ निर्णयन सी० सी० स० १४९/८० ता० १४-४-८० में र० ३०० जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई । जुर्माना अदा न करने पर ३ महीनों की सावा कारावास की सजा सुनाई ।	
३. श्री के० मुनियांडी सेहवै, आत्मज० कायम्बु सेहवै, ३०, तुलसी भमादम, रामेश्वरम, रामनाथपुरम, जिला		सीमा शुल्क अधिनियम, १९६२ की धारा १३५ (१) (ए) (ii) का उल्लंघन करने पर रामनाथपुरम के उपमंडलीय जुड़िशियल मजिस्ट्रेट ने अपना/निर्णयन सी० सी० स० ४०/८० ता० ६-६-८० में ४ महीनों की सख्त कारावास की सजा सुनाई । यह दण्डा- वेश सी०सी० स० ५९०/७९ दण्डादेश के साथ-साथ होगा । सीमा शुल्क प्रभाग रामनाथपुरम के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक समाहर्ता ने र० ११,००० मूल्यवान कलाई बड़िया सरकार के पक्ष में पूर्ण रूप से जब्त की ओर डी०ओ०आर० स० १२६/७९-८० के अनु- सार र० ५०० की प्रत्यक्ष शास्ति अधिरोपित की ।	६. श्री ए०सी०एम० हुड्डीन, आत्मज० प्रभुल करीम, ८६/२९, कुमारविवानम रोड, कोलम्बो	सीमा शुल्क अधिनियम, १९६२ की धारा १३५ (१) (ए) (ii) का उल्लंघन करने पर रामनाथपुरम के उपमंडलीय	

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
		जुडिशियल मजिस्ट्रेट ने अपना निर्णयन सी० सी० स० 201/80 ता० 9-5-80 में रु० 500 जुमाना, अदा करने की सजा सुनाई। जुमाना अदा न करने पर 3 महीनों की सज्जन कारावास की सजा सुनाई। सीमा शुल्क प्रभाग रामनाथपुरम के केन्द्रीय उत्तरांश शुल्क सहायक समाहर्ता ने अपना आदेश दी०श्र०प्र०र०स० 168/79-80 के अनुसार रु० 16,000 मूल्यवान प्रत्यक्षानिक कलाई घड़ियां सरकार के पक्ष में पूर्ण रूप से जब्त की।		तोण्डमनम, अलवेटीतुरै, श्रीलंका।	बंज और तांच सरकार के पक्ष में पूर्ण रूप से जब्त की और सहायक समाहर्ता के दी०श्र०प्र०र०स० 110/79-80 ता० 17-4-80 के अनुसार रु० 100 पर रु० 100 ए० 2 पर 100, ए० 3 पर रु० 100 की प्रत्यक्ष शास्त्रिय प्रधिरोपित की।
7. श्री आलोक रोमन काङडा, नं० 8, अल्लाहूडीन अब्बेन्यू, टारकटो, ग्रोटानिया, कानाडा।		सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 135(1) (बी) (ii) का उल्लंघन करने पर रामनाथपुरम के उपर्याङ्ग जुडिशियल मजिस्ट्रेट ने अपना निर्णयन सी० सी० स० 202/80 ता० 9-5-80 में रु० 500 जुमाना अदा करने की सजा सुनाई। जुमाना अदा न करने पर 3 महीनों की सज्जन कारावास की सजा सुनाई। समाहर्ता, केन्द्रीय उत्तरांश शुल्क पक्ष सीमा शुल्क मदुरै ने रु० 22,275 मूल्यवान प्रत्यक्षानिक कलाई घड़ियां सरकार के पक्ष में पूर्ण रूप से जब्त की और समाहर्ता के आदेश सी०स० 8/10/9/80 सीमा 2 के अनुसार रु० 1000 की प्रत्यक्ष शास्त्रिय प्रधिरोपित की।	Sl. Name and address of persons No. convicted	Particular of section contravened	[श्रिष्टृचना सं० 3/80] प्रार० जयरामन, समाहर्ता
नागपट्टिणम प्रभाग : श्री बालमुकुमणियम, ग्रामज० कन्वसामी तुरै, तिर्फते स्ट्रीट, बलवेटीतुरै, श्रीलंका श्री सूबमणियन,	(ए० 1)	सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 11 का उल्लंघन करने पर नागपट्टिणम के उपर्याङ्ग जुडिशियल मजिस्ट्रेट ने अपना निर्णयन सी० सी० स० 169/80 ता० 26-6-80 में हरेक को 6 महीनों की सज्जन कारावास की सजा सुनाई। यह वण्णावेश तिर्फते पुण्डी के जे एस सी० एम एयालय के सी० सी० स० 139/80 में निहित साक्ष्य के साथ-साथ होगा।	1. A. Sahul Hameed, S/o Abdul Reguman, 26, west Street, Vedalai (A.1)	For contravention of Section 135 (1) (a) (i) of Customs Act 1962. The Sub-divisional Judicial Magistrate Ramanathapuram in his judgement C.C. No. 684/79 dt. 25-4-80 sentenced to undergo Rigorous imprisonment for 6 months each.	
ग्रामज० मानिकम, ऊरीकाकुड़ू, बलवेटीतुरै श्रीलंका	(ए० 2)	सीमा शुल्क प्रभाग, नागपट्टिणम के केन्द्रीय उत्तरांश शुल्क सहायक समाहर्ता के काकी के	2. Gandhi, S/o Meenakshi., Sundaram, 1/49 Karnaan Street, Parthipanoor (A.1) K. Kurusamy, S/o Karupiah Seruvai, 8/178 Keela Pallivasal Street, Paramakudi. Ramanathapuram (Dist.) (A.2)	For contravention of Section 135 (1) (b) (ii) of Customs Act 1962. The Sub-Divisional Judicial Magistrate Ramanathapuram in his judgement C.C. No. 32/80 dt. 25-4-80 sentenced to pay a fine of Rs. 500 each in default rigorous imprisonment for 3 months.	
श्री षण्मुगानंदम, ग्रामज० कन्वसामी, काट्टू पालयम,				The Assistant Collector of Customs Ramanathapuram has absolutely confiscated 65 Kgs. of cloves valued Rs. 16,250 to Government as per order DOR 68-77-78.	

1	2	3	1	2	3
3. K. Muniyandi Servai, S/o Kayambu Servai, 30, Thul-sibhamadam, Rameswaram, Ramanathapuram Dist	For contravention of Section 135 (1) (a) (ii) of Customs Act 1962. The Sub-Divisional Judicial Magistrate Ramanathapuram in his Judgement CC. No. 40/80 dt. 6-6-80 sentenced to undergo Rigorous imprisonment for 4 months. The sentenced to run concurrently with the sentence with CC. No. 59/79. The Assistant Collector of Central Excise Ramanathapuram has absolutely confiscated Nylon fishing nets, Zip fasteners, Coconut oil. Toilet soap etc. valued Rs. 2249/- to Govt. and imposed a direct penalty of Rs. 2000/- as per DOR No. 157 /78-79.		The Assistant Collector of Central Excise, Customs Division Ramanathapuram has absolutely confiscated Electronic wrist watches valued Rs. 16,000/- to Government as per his order DOR. 168/ 79-80.		
4. K. Muniyandi Servai, S/o Kayambu Servai, 30, Thul-sibhamadam, Rameswaram Ramanathapuram Dist.	For contravention section 135 (1)(a)(ii) of Customs Act 1962. The sub-divisional Judicial Magistrate in his judgement C.C. No. 590/79 dt. 15-6-80 sentenced to undergo rigorous imprisonment for 4 months. The sentence to run concurrently with the sentence CC. No. 40/80; The Assistant Collector of Customs, Ramanathapuram has absolutely confiscated watches and primary gold valued Rs. 19,650/- to Government and imposed a direct penalty of Rs. 1250/- as per his order DOR No. 36/79-80.		7. Olec Roman Candacz, No 8 Allaudin Avenue Torchto, Ontani, Canada.	For contravention section 135(1) (b) (ii) of Customs Act 1962. The Sub-Divisional Judicial Magistrate Ramanathapuram in his judgement CC. No. 202/80 dt. 9-5-80 sentenced to pay fine of Rs. 500/- in default to undergo R.I. for 3 months. The Collector of Central Excise and Customs Madurai has absolutely confiscated Electronic wrist watches valued Rs. 22,275/- to Government and imposed a direct penalty of Rs. 1000/- as per Collector's order C. No. VIII/10/9/80 Cus. 2.	
5. Mohamed Noorjaan, S/o A.C.Jain 242/33 Muthuwal Mavatha, Colombo	For contravention of Section 135 (1)(a)(ii) of Customs Act 1962. The Sub-Divisional Judicial Magistrate Ramanathapuram in his judgement CC. No. CC. No. 149/80 dt. 14-4-80 sentenced to pay a fine of Rs. 300/- in default to undergo simple imprisonment for one month. The Assistant Collector of Central Excise, Ramanathapuram has absolutely confiscated watches value Rs. 11,000 to Government and imposed a direct penalty of Rs. 500/- as per his order DOR. No. 126/79-80.		Nagapattinam Shri Bala Subramaiam, S/o Kandasamy Durai Thiruvill St. Valvettithurai SRI LANKA (A.1) Subramanian, S/o. Manickam, Oorikadu, Valvettithurai, Srilanka (A.2) Shanmuganadam, S/o Kandasamy, Kattupalayam, Thondamanam, Valvetti : thurai, Sri Lanka (A.3)	For contravention of Section-11 of Customs Act 1962. The Sub-Divisional Judicial Magistrate Nagapattinam in his judgement CC. No. 169/80 dt. 26-6-80 convicted & sentenced to undergo rigorous imprisonment for 6 months each. The sentence to run concurrently with the evidence in CC. No. 139/80 of JCSM Court Thiruthurai Poondi.	
6. AGM. Hussain, S/o Abdul Karim, 86/29 Kumara vithanam Road, Colombo	For contravention section 135(1) (a)(ii) of Customs Act 1962. The Sub-Divisional Judicial Magistrate in his Judgement CC. No. 201/80 dt. 9-5-80 sentenced to pay a fine of Rs. 500/- in default to rigorous imprisonment for 3 months.			The Assistant Collector of Central Excise & Customs Nagapattinam has absolutely confiscated Coffee seeds and launch to Government and imposed a direct penalty of Rs. 100/- on A.1 Rs. 100/- on A.2 and Rs. 100/- on A.3 as per Assistant Collector's COR No. 110/79-80 dated 17-4-80	

[Notification No.3/80]
R. JAYARAMAN,
Collector.

धारिज्य मंत्रालय

(धारिज्य विभाग)

गुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1980

सांख्यिकी 1181-- भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखंड (i), तारीख 17 फरवरी, 1979 के पृष्ठ 478 पर प्रकाशित भारत सरकार के मूलपूर्वी धारिज्य, सिविल पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय

(दारिंद्र्य विभाग) की अधिसूचना सं० सांका०नि० 267, तारीख 26 अक्टूबर, 1978 में, जो केन्द्रीय आपार सेवा (वर्ग 'क') संशोधन नियम, 1978 से संबंधित है, नियम 1 के उपनियम (1) में '1978' अंकों के स्थान पर '1979' अंक पढ़े।

[सं० ए० 4201/61/77-ई० 1)
ए० क० सेनगुप्ता, अधर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE
(Department of Commerce)
CORRIGENDUM

New Delhi, the 28th October, 1980

G.S.R. 1181.—In the notification of the Government of India in the late Ministry of Commerce, Civil Supplies and Cooperation (Department of Commerce) No. G.S.R. 267, dated the 26th October, 1978 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (i) at page 479, dated the 17th February, 1979 relating to the Central Trade Service (Group 'A') Amendment Rules, 1978, in sub-rule (i) of rule 1, for the figures "1978", read "1979".

[No. A. 4201/61/77-E. I]
A. K. SEN GUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1980

(काफी नियंत्रण)

सांका०नि० 1182.—केन्द्रीय सरकार, काफी अधिनियम, 1942 (1942 का 7) की धारा 48 द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, काफी नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अधिकारी:

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम काफी (द्वितीय संशोधन) नियम, 1980 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. काफी नियम, 1955 के नियम 39 के उपनियम (6) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा—
- "(6) अध्यक्ष को समयसमय पर बोर्ड की विषयन समिति द्वारा अनुमोदित वरों के अनुमरण में काफी के दृष्ट-निर्धारित एकान्त्र प्रयोगन के लिए प्रति निर्णायक 2500 रुपये वार्षिक तक मानदेश की मंजूरी देने की शक्ति भी होगी"

[का० सं० 9/10/80-प्लान्ट (बी)]
ए० गोष्ठ, उप-सचिव

New Delhi, the 30th October, 1980

(COFFEE CONTROL)

G.S.R. 1182.—In exercise of the powers conferred by section 48 of the Coffee Act, 1942 (7 of 1942), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Coffee Rules, 1955, namely :—

1. (1) These rules may be called the Coffee (Second Amendment) Rules, 1980.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. For sub-rule (6) of rule 39 of the Coffee Rule 1955 the following sub-rule shall be substituted :—
- "(6) The Chairman shall also have the power to sanction honorarium upto Rs. 2500 per annum per assessor for the sole purpose of visual assessment of coffee in accordance with the rates approved by the Marketing Committee of the Board from time to time."

[File No. 9/10/80-Plant (B)]
A. GHOSH, Dy. Secy.

अधिकारी भारतीय हस्तशिल्प मण्डल

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर, 1980

सांका०नि० 1183.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति अधिकारी भारतीय हस्तशिल्प मण्डल (द्वितीय एवं चतुर्थ श्रेणी) के भर्ती नियम 1962 में संशोधन करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अधिकारी:

1. (1) ये नियम अधिकारी भारतीय हस्तशिल्प मण्डल के (द्वितीय एवं चतुर्थ श्रेणी) भर्ती (संशोधन) नियम, 1980 कहे जा सकेंगे।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. अधिकारी भारतीय हस्तशिल्प मण्डल के (द्वितीय एवं चतुर्थ श्रेणी) भर्ती नियमों 1962 (भविष्य में उक्त नियमों के नाम से निर्दिष्ट) प्रस्तावना, लघु शोधक एवं नियमों में "द्वितीय एवं चतुर्थ श्रेणी" शब्द तथा अंक जहां कहीं भी पाया जाए, उसके बदले में "श्रेणी ग और श्रेणी घ" शब्द एवं अक्षर का प्रयोग किया जाए।

3. उक्त नियमों की अनुसूची में,

(ग्र) सांस्कृतिक सहायक के पद हेतु स्तम्भ 2 में विद्यमान प्रविष्टी के स्थान पर निम्न प्रविष्टियों की जाएँ।

"3"

टिप्पणी : कार्यभार पर नियम विभिन्न को द्वारा में रखते हुए।

[एफ० सं० 1/33/80-प्रशा०-4]

एस० बी० माधुर, उप-निदेशक (प्रशासन-4)

हेतु विकास प्रायुक्त (हस्तशिल्प)

All India Handicrafts Board

New Delhi, the 27th October, 1980

G.S.R. 1183.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the All India Handicrafts Board (Class II and IV Posts) Recruitment Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the All India Handicrafts Board (Class III and IV Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the All India Handicrafts Board (Class III and IV) Recruitment Rules, 1962, (hereafter referred to as the said rules), in the preamble, short title, and in the rules, for the words and figures "Class III and IV posts" wherever they occur, the words and letters "Group 'C' and 'D' posts" shall be substituted.

3. In the schedule to the said rules.

(a) against the post of Statistical Assistant, for the existing entry in column 2, the following entries shall be substituted namely :—

"3"

Note :—Subject to variation dependent on work load.

[F. No. 1/33/80-Admn. IV]
S. B. MATHUR, Dy. Director
for Development Commission for Handicrafts.

योजना आयोग

एक्टिव पर

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1980

सांका०नि० 1184.—भारत के राजपत्र, भाग 2, अंक 3, उपलब्ध (i), तारीख 6 जनवरी, 1979 के पृष्ठ 26 पर, भारत सरकार के योजना आयोग की अधिसूचना सं० सांका०नि० 8, तारीख 20 दिसम्बर,

1978 के साथ प्रकाशित योजना आयोग (ज्येष्ठ तकनीकी सहायक) भर्ती नियम, 1978 के नियम 1 के उप नियम (1) में, "1978" अके के स्थान पर "1979" अंक रखें।

[संख्या ए-12018/2/77-प्रशासन-2(i)]

PLANNING COMMISSION
CORRIGENDUM

New Delhi, the 28th October, 1980

G.S.R. 1184.—In the Planning Commission (Senior Technical Assistant) Recruitment Rules, 1978 published with the notification of the Government of India in the Planning Commission No. G.S.R. 8, dated the 20th December, 1978, in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 6th January, 1979, at page 28, in sub-rule (1) of rule 1, for the figures "1978" substitute the figures "1979".

[No. A. 12018/2/77-Admn. II(i)]

पुष्टि-पत्र

सा०का० नि० 1185:—भारत के गणपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (i), तारीख 8 मार्च, 1980 के पृष्ठ 429 पर, भारत सरकार के योजना आयोग की प्रधिसूचना सं० 265, तारीख 20 फरवरी, 1980 के साथ प्रकाशित योजना आयोग (ज्येष्ठ तकनीकी सहायक) (भर्ती संशोधन) नियम, 1980 में—

- (i) तीसरी पंक्ति में, अंक "1978" के स्थान पर "1979" अंक रखें;
- (ii) इक्सीसर्वीसी पंक्ति में, "(का० सं० ए-12018/2/72-प्रशा० 3)" के स्थान पर "(का० सं० ए-12018/2/77-प्रशा० 3)" रखें।

[संख्या ए-12018/2/77-प्रशासन-2(ii)]

योगेन्द्र मोहन, निदेशक (प्रशासन)

CORRIGENDUM

G.S.R. 1185.—In the Planning Commission (Senior Technical Assistant) Recruitment Rules (Amendment) Rules, 1980, published with the notification of the Government of India in the Planning Commission No. G.S.R. 265, dated the 20th February, 1980, in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 8th March, 1980, at page 429,—

- (i) in line 5, for the figures "1978", substitute the figures "1979";
- (ii) in line 28, for "No. A. 12018/2/72-Adm. III", substitute "No. A. 12018/2/77-Adm. III".

[No. A. 12018/2/77-Adm. II (ii)]

Y. MOHAN, Director (Adm.)

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

(CENTRAL BOILERS BOARD)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 3rd November, 1980

G.S.R. 1186.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) (Central Boilers Board) No. GSR 21, dated the 18th December, 1979, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (i), dated the 5th January, 1980, in the last line, for the expression "S. C. DEY, Secretary, Central Boilers Board" read "S. C. DEY Secretary, Central Boilers Board."

S. C. DEY, Secy. Central Boilers Board
[F. No. 6(1)/75-Boilers.]

धिदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1980

सा०का०नि० 1187 संविधान के अनुच्छेद 309 के प्रत्यक्ष भारत प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति इसके द्वागे भारतीय विदेश सेवा, शास्त्र 'ख' (भर्ती, संवर्ग, वरिष्ठता और पदोन्नति) नियमावली, 1964 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं—

1. (1) इन नियमों को भारतीय विदेश सेवा, शास्त्र 'ख' (भर्ती संवर्ग, वरिष्ठता और पदोन्नति), संशोधन नियमावली, 1980 कहा जाएगा।

(2) इन नियमों को 28 अप्रैल, 1979 से लागू माना जाएगा।

2. भारतीय विदेश सेवा, शास्त्र 'ख' (भर्ती, संवर्ग, वरिष्ठता और पदोन्नति) नियमावली, 1964 (आगे जिसका उल्लेख उक्त नियमावली के हृप में किया गया है), में नियम 14 के उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उप नियम रखा जाएगा;

(2) उप नियम (1) में उल्लिखित प्रवरण सूची में शामिल की जाने वाली रिक्तियां सामान्य संवर्ग के भेड़ 5 के उन कर्मचारियों में से वरिष्ठता एवं योग्यता के प्राप्तार पर भरी जाएगी जिन्होंने उस भेड़ में कम से कम पांच वर्ष की अनुभेदित सेवा पूरी कर ली हो।

कश्तों कि द्वेष 5 में नियुक्ति किसी व्यक्ति को यदि इस उप-नियम के अधीन भेड़ में पदोन्नति के लिए विचार किया जाता है, तो भेड़ 5 में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्तियों पर भी विचार किया जाएगा भले ही उन्होंने भेड़ 5 में 5 वर्ष अनुभेदित सेवा नहीं भी पूरी की हो।"

3. उक्त नियमावली के नियम 25 के उप नियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उप नियम रखा जाएगा—

"(2) सामान्य संवर्ग का भेड़ IV

(क) जो व्यक्ति नियम 14 के उप नियम (2) के अनुसार पदोन्नत द्वारा है ; और

(ख) जो व्यक्ति नियम 14 के उप नियम (1) के खंड (क) के अनुसार आयोग के माध्यम से सीधे भर्ती किए गए हैं, उनकी पारस्परिक वरिष्ठता ऊपर बनाए गए त्रैम के अनुसार दोनों श्रेणियों की रिक्तियों की आवृत्ति के अनुसार निर्धारित की जाएगी।

स्वाक्षर्यापन भाष्य

भारतीय विदेश सेवा, शास्त्र 'ख' (भर्ती, संवर्ग, वरिष्ठता और पदोन्नति) नियमावली, 1964 के नियम 14 में 28 अप्रैल, 1979 को संशोधन किया गया था जिसमें इस सेवा के सामान्य संवर्ग के भेड़ IV में पदोन्नति के उद्देश्य से प्रवरण सूची में शामिल किए जाने के लिए 50% रिक्तियां भरने के लिए सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा की व्यवस्था की गई थी। अब सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा से संबंधित उप-मन्त्री की समाप्त करने के लिए उक्त नियम 14 में संशोधन करने का प्रस्ताव है। इस नियम की संशोधन व्यवस्था को कभी भी अमल में नहीं लाया गया और यह प्रमाणित किया जाता है कि बताए गए संशोधन को किसी पिछली तारीख से लागू करने से किसी भी व्यक्ति के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० 6/सी ए डी/80/मं० श्यु/सी ए शी/792/1/8]
जी० भार० वाक्तकर, निदेशक

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 14th October, 1980

G.S.R. 1187.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby

makes the following rules further to amend the Indian Foreign Service, Branch 'B' (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964, namely :—

1. (i) These rules may be called the Indian Foreign Service, Branch 'B' (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Amendment Rules, 1980.

(ii) They shall be deemed to have come into force on the 28th April, 1979.

2. In the Indian Foreign Service, Branch 'B' (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964 (hereinafter referred to as the said Rules),

for sub-rule (2) of Rule 14, the following sub-rule shall be substituted, namely :—

(2) The vacancies for inclusion in the Select List referred to in sub-rule (1) shall be filled by promotion on the basis of seniority-cum-fitness from among the employees of Grade-V of the General Cadre who have rendered not less than five years' approved service in that Grade :—

Provided that if any person appointed to Grade-V is considered for promotion to Grade-IV under this sub-rule, all persons senior to him in Grade-V shall also be considered notwithstanding that they may not have rendered five years' approved service in Grade-V."

3. In rule 25 of the said Rules, for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(2) Grade-IV of the General Cadre :

The relative seniority of—

- (a) Persons promoted in accordance with sub-rule (2) of Rule 14, and
- (b) Persons directly recruited through the Commission in accordance with clause (a) of sub-rule (1) of Rule 14.

shall be determined according to the rotation of vacancies among the two categories in the order indicated above.

EXPLANATORY MEMORANDUM

Rule-14 of the Indian Foreign Service, Branch 'B' (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964, was amended with effect from 28th April, 1979, providing for a limited departmental competitive examination to fill 50 per cent of the vacancies for inclusion in the Select List for promotion to Grade-IV of the General Cadre of the Service. It is now proposed to amend the said rule 14, with a view to abolishing the provision relating to a limited departmental competitive examination. The amended provision of rule 14 was never operated upon and it is certified that the interests of no one will be adversely affected due to the present amendment being given effect to with a retrospective date.

[No. 6/CAD/80/No. Q/CAD/792/1/78]

G. R. WAKANKAR, Director

MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS

(Department of Petroleum)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 16th May, 1980

G.S.R. 1188.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) No. G. S. R. 1457 dated the 22nd November, 1979, published at pages 2787 and 2788 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 8th December, 1979, at page 2788, in rule 2, for "Kolilitres", read "Kilolitres".

[No. 12011/1/79-Prod.]

Mrs. Kiran Chadha, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1980

सा.का.नि. 1189.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक वारा प्रदल मणियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा नियम, 1963 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम जारी हैं, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा (संशोधन) नियम, 1980 है।

(2) ये 13 सितम्बर, 1980 को लागू हुए समझे जाएंगे।

2. केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा नियम, 1963 में द्वितीय अनुसूची के अनुवन्ध्य-1 की तम संख्या 5 के कालम 2 में मव संख्या (1) के स्थान पर निम्नलिखित मद प्रतिश्वापित की जाएंगी, अर्थात्—

"(1) लिखित परीक्षा तथा तत्पश्चात् साधात्कार के आधार पर भर्ती

30 वर्ष से अनधिक (वर्ष 1981 में होने वाली परीक्षा के लिए, आयु-नीमा 50 वर्ष तक शिखितनीय।"

व्याख्यात्मक जापन

संबंधी लोक मेवा आयोग ने केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जूनियर कलाम 1 पद की भर्ती मंबंधी अधिसूचना 13-9-1980 को जारी की थी। वही वर्तमान संशोधन इस भर्ती पर लागू होता है, जो 13-9-80 को संबंधी लोक मेवा आयोग द्वारा जारी की गई अधिसूचना के आधार पर की जारी है, इसलिए, 13-9-80 से इन नियमों को संशोधन करना आवश्यक हो गया है। इन नियमों को पूर्वी प्रभावी नारीश्वर से जारी करने के परिणाम-स्वरूप किसी भी व्यक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं. ए-12034/15/80-के-सा.के-१(५)]

रविन्द्र नाथ निषारी, अध्यक्ष

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 30th October, 1980

G.S.R. 1189.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Health Service Rules, 1963, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Health Service (Amendment) Rules, 1980.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 13th day of September, 1980.

2. In the Central Health Service, Rules, 1963, in Annexure-I to the Second Schedule, in serial number 5, in column 2, for item (i), the following item shall be substituted, namely :—

"(i) Recruitment on the basis of a written examination followed by an interview.

Not exceeding 30 years. The age limit shall be relaxable upto 50 years for the examination to be held in the year 1981."

Explanatory Memorandum

The notification regarding the recruitment of Junior Class I post of the Central Health Service was issued by the Union Public Service Commission on 13-9-1980. As the present amendment covers the recruitment which is to take place on the basis of notification issued by the Union Public Service Commission on 13-9-1980, it has become necessary to amend the rules with effect from 13-9-1980. No one will be adversely affected as a result of retrospective effect being given to these rules.

[No. A. 12034/15/80-CHS.I(IV)]

R. N. TEWARI, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 1980

स्वातंत्र्य 1190.—बेंट्रीय सरकार, खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय खाद्य मानक समिति में परामर्श करने के पश्चात् खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 में कठिपय और संसोधन करना चाहती है। जैसा कि उक्त अधिनियम की धारा 23 की उपधारा (1) में अधिकृत है, प्रस्तावित संसोधनों का निम्नलिखित प्रारूप उन मध्य व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिनियम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 90 दिन के अवधार के पश्चात् विवार किया जाएगा।

इस प्रकार विनियिष्ट अवधि में पूर्व नियमों के उक्त प्रारूप की बाबत जो भी व्यक्ति या सुभव या व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केंद्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

प्रारूप नियम

1. इन नियमों का संधारण नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण (मण्डल) नियम, 1980 है।

2. खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 (जिनके इसमें आगे उक्त नियम कहा गया है) में—

(1) उक्त नियमों के नियम 49 में, उपनियम (9) के पश्चात् निम्नलिखित अन्तर्यापित किया जाएगा, अर्थात्—

“(10) कोई भी व्यक्ति मिठाइयों और कन्फेक्शनरी में प्रयोग के लिए खनिज तेल (खाद्य श्रेणी) को, आई एम आई प्रमाणन चिह्न के अधीन के सिवाएं, नहीं बेचेगा।

(2) उक्त नियमों के परिविष्ट रूप में, मद क-25 के स्थान पर निम्नलिखित भव रखी जाएगी, अर्थात्—

क. 25 भीठा और कन्फेक्शनरी :

क. 25.01 व्यवधात चीनी कन्फेक्शनरी से चीनी और अनुपचारक में जैसे द्रव, ग्लूकोम, टार्ट और और अधिक बनी ऐसी प्रवर्षक संघटित खाद्य वस्तु अभियेत होगी जो कि या तो व्यवधान या अभिनमन की प्रक्रिया प्रारंभ बनाई गई हो। इसमें चीन में भ्राव हो सकता है क्योंकि द्रव, अर्ध-ठोग या टॉस रूप में हो सकेगा और उस पर चीनी या चाकलेट या शेनों की कोटिंग होगी। इसमें निम्नलिखित एक या अधिक भी हो सकते हैं—

- (1) अनुशास ग्राहक प्रति और स्पायीकारक,
- (2) अनुशास स्पायीकारी और पायसीकारक,
- (3) अनुशास नैसर्जिक रंग,
- (4) अनुशास मुरुचिक, मुरुचिक मुधारक, नियमन,
- (5) एसिड्युलेट जैसे मिट्रिक एमिड, टार्टिक एमिड, मैलिक एमिड,
- (6) जैलीफ इंग एंड,
- (7) अनुशास विलायक,
- (8) अनुशास परिरक्षण,
- (9) भीठा बनाने वाले एंड जैसे चीनी, प्रतीप चीनी, जेपरी, नेक्टोज, गुड़, गुड़ बूरा, खण्डसादी, सारविटल, गहड़,
- (10) खाद्य शीरा,
- (11) दुध और पुध उत्पाद,
- (12) मल्ट निष्कर्षण,
- (13) खाद्य स्टार्च,
- (14) खाद्य तेल और घमा,
- (15) साधारण नमक,
- (16) फल और फल उत्पाद तथा नट और नट उत्पाद,
- (17) चाय, कॉफी, चाकलेट, कोको,
- (18) विटामिन और खनिज,
- (19) शैलेक और महु मोम,
- (20) जिलेटिन। (खाद्य श्रेणी),

- (21) खाद्य शुक्रिन मरियन,
- (22) मिर्च और ममाले,
- (23) केंडिड पील,
- (24) एंजाइम।

इसमें कृतिम रंग और कृतिम भीठा बनाने वाली वस्तु नहीं होगी। खनिज तेल (खाद्य श्रेणी) की, यदि वह स्लेहक के रूप में प्रयुक्त हो, तो वह वजन में 0.2 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

यह निम्नलिखित मात्रों के प्रतुल्य भी होगा:—

(1) कुल भस्म मल्कोटिंग भस्म के रूप में—उक्त 2.5 प्रतिशत से अधिक नहीं।

(2) धुनी हुई हाइड्रोक्लोरिक एमिड में अविनेय भस्म

—उक्त 0.2 प्रतिशत से अधिक नहीं। इसमें 350 पी पी एम से अनधिक सान्द्र में सल्फर आइमोक्साइड हो सकती है।

क. 25.02 : लोजेज—लोजेज मुख्य रूप से वैश्वक पदार्थ और स्लेहकों वाली निर्धारित कदाह चीनी या जीनी हुई चीनी से बने मिल्याएँ हैं। ये साधारणतः ठंडे मिथ्रण से बनाए जाते हैं, जिनका अभिग्राह्य यह है कि संघटकों के आरम्भिक उत्तराने या पकाने की अपेक्षा नहीं होती है। इसमें निम्नलिखित एक या अधिक हो सकते हैं:—

- (1) अनुशास नैसर्जिक रंग
- (2) अनुशास सुरुचिक
- (3) एसिड्युलेट जैसे टार्टिक एमिड, मैलिक एमिड और सिट्रिक एमिड।
- (4) अनुशास पायसीकारक और स्पायीकारक।
- (5) भीठा बनाने वाले एंड जैसे टेक्टोज-हाइड्रेट, महृद, ग्लूकोम
- (6) दुध और पुध उत्पाद
- (7) नट और नट उत्पाद
- (8) सोडियम बाइकार्बोनेट
- (9) माल्ट
- (10) स्टार्च।

खनिज तेल (खाद्य श्रेणी) का, यदि स्लेहक के रूप में प्रयोग किया गया है, उक्त 0.2 प्रतिशत की सीमा से अधिक नहीं होगा। इसमें कृतिम रंग या कृतिम भीठा नहीं होगा। यह निम्नलिखित मात्रों के प्रतुल्य होगा:—

1. सल्फेटीकूल भस्म—भार में 3.0 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।
2. नट हाइड्रोक्लोरिक अम्ल में—अविनेय भस्म—भार में 0.2 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

इसमें 350 पी पी एम से अनधिक सान्द्र में सल्फर आइमोक्साइड हो सकती है।

क. 25.03 टॉफी—टॉफी कवधित चीनी के मिल्याएँ हैं। यह चीनी, वनस्पति या किसी खाद्य तेल अवश्य वसा से बनी होगी। टॉफी चार प्रकार की हो सकती है, अर्थात्—

(1) माई टाफियां:

यह चीनी, खाद्य वसा से बनी होगी। इसमें निम्नलिखित में से कोई भी हो सकता है:—

- (क) अनुशास नैसर्जिक रंग
- (ख) अनुशास सुरुचिक

(ग) अनुज्ञात प्रतिशासनीडेट
 (घ) अनुज्ञात पायसीकारक और स्थायीकारक
 (ङ) एसिडुलेंट जैसे सिट्रिक अम्ल, टार्टरिक अम्ल
 (च) टार्टर कीम
 (छ) मीठा बनाने वाले ऐजेट जैसे गुड़, शहद, द्रव रस्फूलोस (जिसे कार्बन सीरप या रस्फूलोज सीरप भी कहते हैं)
 (ज) माल्ट सीरप या माल्ट या माल्ट निष्कर्षण
 (झ) सराविटॉल (खाद्य श्रेणी)
 (त) प्रोटीन विषुक्त
 (ट) खाद्य तेल सीड आटा
 (ठ) खाद्य साधारण नमक
 (ड) खाद्य स्टार्क
 (इ) विटामिन ।

(2) दुग्ध टाफी:—यह जीनी, बनस्पति, दुग्ध बसा या किसी खाद्य तेल और किसी भी रूप में दुग्ध से बनाई जाएगी तथा इसके अतिरिक्त इसमें सारी टाफी को बनाने में उपयोग किया गया थोरा पदार्थ हो सकता।

टाफियों में फूलिम रंग और फूलिम मीठा नहीं होगा टाफियाँ नीचे सारणी में दी गई निम्नलिखित अपेक्षाओं के भी अनुसर होंगी प्रथातः—

सारणी

क्रम सं०	अभिलक्षण	सारी टाफी या माडीफाइड	दुग्ध टाफी	मक्कन टाफी
1. सल्फेटिक्यूल भर्त्ता भार में	2. 5 प्रतिशत से अनधिक	2. 5 प्रतिशत से अनधिक	2. 5 प्रतिशत से अनधिक	0. 2 प्रतिशत से अनधिक
2. तनु हाथोंसोरिक अम्ल में अविसेय भर्त्ता भार में	0. 2 प्रतिशत से अनधिक	0. 2 प्रतिशत से अनधिक	0. 2 प्रतिशत से अनधिक	4 प्रतिशत से अन्यून
3. बसा (शुष्क भाद्यार पर) भार में प्रतिशत	—	4 प्रतिशत से अन्यून	4 प्रतिशत से अन्यून	—
4. कुल प्रोटीन (ग्रॅम X 6. 25) भार में प्रतिशत	—	3 प्रतिशत से अन्यून	—	—

[सं० फ०-15025/45/78-पी०एच० (एफ० एड एन०)/पी० एक० ए०]

New Delhi, the 3rd November, 1980

G.S.R. 1190.—The following draft of certain rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954) after consultation with the Central Committee for Food Standards, is hereby published as required by sub-section (1) of section 23 of the said Act for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration after the expiry of 90 days from the date on which the said notification is published in the Official Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified, will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Amendment) Rules, 1980.

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, (hereinafter referred to above as said rules),—

(i) In rule 49 of the said rules, after sub-rule (9), the following shall be inserted, namely:—

"(10) No person shall sell mineral oil (foodgrade) for use in sweets and confectionery except under ISI certification Mark".

(ii) In Appendix B to the said rules, for item A. 25, the following item shall be substituted, namely:—

A.25 Sweets and Confectionery :

A.25.01 : Sugar boiled confectionery shall mean a processed composite food article made from sugar and doctoring agents such as liquid glucose, cream of tartar etc. either by boiling or by process of panning. It may contain centre filling which

(3) माडीफाइड टाफी:—यह सारी टाफी या दुग्ध टाफी के लिए उपयोग में लाए जाने वाले संघटकों से बनाई जाएगी। इसके अतिरिक्त इसमें निम्नलिखित में से एक या अधिक हो सकते:—

- (1) चाकलेट
- (2) काफी
- (3) कोको या कोको मक्कन
- (4) फल-ताजे या शुष्कित और/या फल उत्पाद
- (5) नट और नट उत्पाद ।

(6) मक्कन टाफी:—यह सारी टाफी, दुग्ध टाफी या माडीफाइड टाफी के लिए उपयोग किए गए संघटकों से बनाई जाएगी किन्तु इसमें भार में 5 प्रतिशत से कम मक्कन नहीं होगा।

may be in the form of liquids, semi-solids or solids with coating of sugar or chocolate or both. It may also contain one or more of the followings:—

- (i) Permitted anti-oxidants.
- (ii) Permitted stabilising and emulsifying agents,
- (iii) permitted natural colours,
- (iv) Permitted Flavour, flavour improvers, fixers,
- (v) Acidulants such as citric acid, tartaric acid, malic acid,
- (vi) Jellifying agents,
- (vii) Permitted preservatives,
- (viii) Permitted solvents.
- (ix) Sweetening agents such as sugar, Invert sugar, Jaggery, lactose, gur, bura sugar, khandsari, sorbitol, honey,
- (x) Edible molasses,
- (xi) Milk and milk products,
- (xii) Malt extract,
- (xiii) Edible starches,
- (xiv) Edible oils and fats,
- (xv) Common salt,
- (xvi) Fruits and fruit products and nuts and nut products,
- (xvii) Tea, Coffee, chocolate, cocoa,
- (xviii) Vitamins and minerals,
- (xix) Shellac and bees wax,
- (xx) Gelatine (foodgrade),
- (xxi) Edible desicated coconut,
- (xxii) Spices and condiments,
- (xxiii) Candid peel,
- (xxiv) Enzymes,

It shall not contain synthetic colour or artificial sweeteners. Mineral oil (foodgrade), if used as a lubricant, shall not exceed the limit of 0.2 per cent by weight.

(i) It shall also conform to the following standards i.e. Total ash (as sulphated ash)—Not more than 2.5 per cent. by weight.

(ii) Ash insoluble in dilute Hydrochloric acid.—Not more than 0.2 per cent by weight.

It may contain sulphur dioxide in concentration not exceeding 350 ppm.

A. 25.02 : Lozenges :—Lozenges are confections mainly made out of pulverised sugar or icing sugar which contain binding material and lubricants. These are generally made from cold mixing which means that no primary boiling or cooking of the ingredients is required. It may contain one or more of the following :—

- (i) Permitted natural colours,
- (ii) Permitted flavours,
- (iii) Acidulant such as tartaric acid, malic acid and citric acid,
- (iv) Permitted emulsifying and stabilising agents,
- (v) Sweetening agents such as dextrose, dextrose-hydrate, honey, glucose,
- (vi) Milk and milk products,
- (vii) Nuts and nut products,
- (viii) Sodium bicarbonate,
- (ix) Malt,
- (x) Starch,

Mineral oil (foodgrade), if used as lubricant, shall not exceed the limit of 0.2 per cent by weight. It shall not contain synthetic colours or artificial sweeteners. It shall conform to the following standards :—

1. Sulphated ash—Not more than 3.0 per cent by weight.
2. Ash insoluble in dilute Hydrochloric acid—Not more than 0.2 per cent by weight.

It may contain sulphur dioxide in concentration not exceeding 350 ppm.

Toffees shall also conform to the following requirements given in the table below namely :

TABLE

Sl. No.	Characteristics	Plain toffee of modified toffee	Milk toffee	Butter toffee
1.	Ash sulphated by weight	not more than 2.5 per cent.	not more than 2.5 per cent.	not more than 2.5 per cent.
2	Ash insoluble in dilute Hydrochloric acid by weight	not more than 0.2 per cent.	not more than 0.2 per cent.	not more than 0.2 per cent.
3.	Fat per cent by weight (on dry basis).		not less than 4 per cent.	not less than 4 per cent.
4.	Total protein (Nx 6.25) per cent by weight		not less than 3 per cent.	

संस्कृति 1191.—केन्द्रीय सरकार खाद्य अपमिश्रण निवारण प्रधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा केन्द्रीय खाद्य मानक समिति से परामर्श करते के पश्चात् खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का करितपय और संशोधन करमा चाहती है। जैसी कि उक्त प्रधिनियम की धारा 23 की उपधारा (1) में व्यक्तित्व है, प्रस्तावित संशोधनों का निम्नलिखित प्रारूप उन मध्ये व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है। हमें द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस प्रधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 90 दिन की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

ऊपर विविध प्रवाणी की समाप्ति से पूर्व नियमों के उक्त प्रारूप की आवत जो भी आक्षेप या गुणाव विशेष व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

A. 25.03 Toffees.

Toffees are boiled sugar confections. It shall be made out of sugar, vanaspati or any edible oil or fat. Toffees may be of 4 types, namely :—

(i) Plain toffees—

It shall be made out of sugar, edible fat. It may contain any of the followings :

- (a) Permitted natural colours,
- (b) Permitted flavour,
- (c) Permitted anti-oxidants,
- (d) Permitted emulsifying and stabilising agents,
- (e) Acidulants such as citric acid, tartaric acid,
- (f) Cream of tartar,
- (g) Sweetening agents such as Gur, honey, liquid, glucose (also known as corn syrup or glucose syrup),
- (h) Malt syrup or malt or malt extract,
- (i) Sorbitol (foodgrade),
- (j) Protein isolate,
- (k) Edible oil seed flour
- (l) Edible common salt,
- (m) Edible starches,
- (n) Vitamins.

(ii) Milk Toffee : It shall be made out of sugar, vanaspati, milk fat or any edible oil and milk in any form and in addition may contain any of the materials used in the making of plain toffee.

(iii) Modified Toffee : It shall be made from the ingredients, used for plain toffee or milk toffee. In addition, it may contain one or more of the followings :—

- (i) Chocolate,
- (ii) Coffee,
- (iii) Cocoa or Cocoa butter,
- (iv) Fruits—Fresh or dried and/or fruit products,
- (v) Nuts and Nut products.

(iv) Butter Toffee : It shall be made of the ingredients used for plain toffee or milk toffee or modified toffee, but it shall contain not less than 5 per cent butter by weight.

Toffee shall not contain synthetic colour or artificial sweeteners.

[No. P. 15025/45/78-PH (F&N)PFA]

प्रारूप नियम

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण (संशोधन) नियम, 1980 है।

2. खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के परिषिष्ठ 'ख' में—

(1) मद का 07.03 में, "फेहे परीक्षण सामान्य रूप से नकारात्मक होगा," शब्दों के स्थान पर "फेहे परीक्षण और एनिलीन क्लोराइड परीक्षण नकारात्मक होगा" शब्द रखे जाएंगे।

(2) मद का 07.04 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, प्रथम :—

"आइस लोकी या खाद्य बक्क" से जमाया गया ऐसा उत्ताप अधिग्रेश है जिसमें भार में 0.5 प्रतिशत से अधिक अनुज्ञात गुणविद्यार्थी, चीनी, गिरा, फल रस, कोको, सिंट्रिक अमल, स्पाशीकारक या पायसीकारक हो सकते हैं। इसमें कोई हृत्क्रिय मीठा करने वाला या कोलनार खाद्य रंग नहीं होंगे।"

(3) मद क० 07.04.01—माहस कैडी से ऐसा जमाया हुआ बने उत्पाद अधिकृत है जिसमें 0.5 प्रतिशत से अधिक अनुशासन सुखनिकारक, मिरप, फल, फलरस, दूषकल, कोको, मिट्टिक ग्राम, स्थायीकारक या पायसीकारक हो सकते हैं। इसमें कोई कृतिम भीड़ करने वाला या फोलतार बायर रंग नहीं होगे।'

(4) मद क० 07.05 और क० 07.08 में विषयान प्रविष्टियों के पश्चात् इन में निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, प्रथम् :—
 "इसमें सोडियम बाइ कार्बोनेट (बायर श्रेणी) भी हो सकता है।"

(5) मद क० 07.10 के पश्चात् निम्नलिखित नई मद अंतःस्थापित की जाएगी, प्रथम् :—
 "क० 07.11—सुखाया गया ग्लूकोस सिरप से सफेद से मखनिया सफेद रंग वाली भीड़ या बारीक खूंड के रूप में ऐसी सामग्री अधिकृत है जो स्वाद में भीड़, मुवास में संमिश्र और थोड़ी भ्रांतेप्राप्ती हो। वह किंतु फूफूरी पड़ने के लक्षणों नहीं या किंतु अन्य बाहरी पदार्थ या अतिरिक्त भीड़ करने वाले या सुखनिकारक एंटेंट से रद्दित होगी। उसमें कोई अतिरिक्त प्राकृतिक या फोलतार बायर रंग भी नहीं होगा। वह निम्नलिखित मानकों के अनुरूप होगी :—

कुल ठोक तत्व	भार में 93.0 प्रतिशत से अन्यून अपवाही शर्करा तत्व	भार में 20.0 प्रतिशत से अन्यून सल्फोडेड भस्म	भार में 1.0 प्रतिशत से अनधिक सल्फरडाइफ्रामिसाइड
"शर्करा मिट्टियां (कर्नेलियनरी) के विनिर्माण के लिए प्रयुक्त सिरप में सल्फोडेड भस्माइड 150 भाग प्रति दस लाख से अनधिक होगा।"			

(6) मद क० 08.01 में, उप पैरा (5) के खण्ड (1) में और यह भार में 3.0 प्रतिशत से अन्यून और 6.0 प्रतिशत से अनधिक होगी। शब्दों और अंकों के स्थान पर "और यह भार में 3.0 प्रतिशत से अन्यून और 7.0 प्रतिशत से अनधिक होगी" शब्द और अंक रखे जाएंगे।

(7) मद क० 14 के खण्ड (ग) में "1.0 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी" प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, प्रथम् :—
 "शुक्र भार आधार पर भार में 1.0 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।"

(8) मद क० 14.01 के खण्ड (ग) में, "1/2 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी" प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, प्रथम् :—
 "शुक्र भार के आधार पर भार में 1.2 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।"

(9) मद क० 14 और 14.01, दोनों मदों के खण्ड (ङ) में "के 2 भाग के रूप में अधिक्यकृत 1.0 प्रतिशत से कम और 2.2 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी" प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, प्रथम् :—
 "के रासों के रूप में अधिक्यकृत शुक्र भार के आधार पर 1.0 प्रतिशत से कम और 2.2 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।"

(10) मद क० 14 और मद क० 14.01 में, अंतिम बाक्य में, "इसमें कोई मिलाया गया रंगक पदार्थ नहीं होगा" शब्दों के स्थान पर "इसमें कोई मिलाया गया रंगक पदार्थ या सुखनिकारक नहीं होगा" शब्द रखे जाएंगे।

[सं० पी०-15013/7/79-पी० एन० (एफ० एष्ट एन०)]

पी० एफ० ए]

जी० पंचपक्षन, भवर सचिव

G.S.R. 1191.—The following draft of certain rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954) after consultation with the Central Committee for Food Standards, is hereby published as required by sub-section (1) of the Section 23 of the said Act. For the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration after the expiry of 90 days from the date on which this notification is published in the Official Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified, will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Amendment) Rules, 1980.

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, in Appendix B.

(i) In item A. 07.03, in the last sentence, for the words, "Fieche's test should ordinarily be negative", the words "Fieche's test and Aniline Chloride test shall be negative" shall be substituted.

(ii) For item A. 07.04, the following shall be substituted, namely :—

"ICE LOLLIES OR EDIBLE ICES" means the frozen produce which may contain the permitted flavours, sugar, syrup, fruit juices, cocoa, citric acid, stabilizers or emulsifiers not exceeding 0.5 per cent by weight, it shall not contain any artificial sweetener or coal-tar food colours".

(iii) after item A. 07.04, the following items shall be inserted, namely :—

"A. 07.04.01-ICE CANDY means the frozen ice produce which may contain permitted flavour, syrup, fruit, juices, nuts, cocoa, citric acid, stabilisers or emulsifiers not exceeding 0.5 per cent, it shall also contain sugar not less than 10 per cent by weight on dry weight basis. It shall not contain any artificial sweetener or coal-tar food colour."

(iv) in item A. 07.05 and A. 07.08, after the existing entries, the following shall be added in the end, namely :—
 "It may also contain sodium bicarbonate (food grade)."

(v) after item A. 07.10, the following new item shall be inserted, namely :—

"A. 07.11 DRIED GLUCOSE SYRUP means the material in the form of coarse or fine white to creamish white powder, sweet to taste, blend in flavour and somewhat hygroscopic. It shall be free from fermentation, evidence of mould growth, dirt or other extraneous matter, or added sweetening or flavouring agent. It shall also not contain any added natural or coal-tar food colour. It shall conform to the following standards :—

Total solids content	Not less than 93.0 per cent by weight
Reducing sugar content	Not less than 20.0 per cent by weight
Sulphated ash	Not more than 1.0 per cent by weight
Sulphur dioxide	Not more than 40 ppm.

Syrup used for manufacture of sugar confectionaries may contain sulphur dioxide in an amount not exceeding 150 ppm."

(vi) in item A. 08.01, in sub-paragraph (5), in clause (i), for the words and figures "and shall be not less than 3.0 per cent and not more than 6.0 per cent by weight", the words and figures "and shall be not less than 3.0 per cent and not more than 7.0 per cent by weight" shall be substituted.

(vii) in item A. 14, in clause (c), for the entry "Not more than 1.0 per cent," the following entry shall be substituted, namely :—

"Not more than 1.0 per cent by weight on dry basis";

(viii) in item A. 14.01, in clause (c) for the entry "Not more than 1.2 per cent" the following entry shall be substituted, namely :—

"Not more than 1.2 per cent by weight on dry basis";

(ix) in items A. 14 and 14.01, in clause (e) of both items for the entry "Not less than 1.0 per cent and not more than

2.2 per cent expressed as K₂O" the following shall be substituted, namely :—

"Not less than 1.0 per cent and not more than 2.2 per cent expressed as K₂O on dry basis".

(x) in items A. 14 and A. 14.01, in the last sentence, after the words "It shall not contain any added colouring matter", the words "or added flavour" shall be substituted.

[No. P. 15013/7/79-PH(F&N)/PFA]

G. PANCHAPAKESAN, Under Secy.

नई विस्तीर्णी, 3 नवम्बर, 1980

स्थानकान्वित 1192.—संविधान के अनुच्छेद 309 के पञ्चलुक द्वारा प्रवत्त विविधतों का प्रयोग करते हुए राज्यपत्रि प्रददवारा महायक सलाहकार (आयुर्वेद) (समूह "क" तकनीकी पद) भर्ती नियम, 1979 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अधिकारी :—

1. (1) इन नियमों का नाम महायक सलाहकार (आयुर्वेद) (समूह "क" तकनीकी पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1980 है।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रस्तुत होंगे।

2. महायक सलाहकार (आयुर्वेद) (समूह "क" तकनीकी पद) भर्ती नियम, 1979 के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अधिकारी :—

प्रत्यक्षी

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेनवनमात्र	चयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले क्षया सेवा	सीधे भर्ती किए जाने वाले के बढ़ाए गए व्यक्तियों के लिए अपेक्षित, वयों का साधा शैक्षिक तथा अन्य प्रारूपाएं	केन्द्रीय
1	2	3	4	5	6	7	8
महायक सलाहकार (आयुर्वेद)	एक	मामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "क"	1100-50-1600 रु०	चयन (सरकारी कर्मचारियों के लिए विधिवत की जा सकती है)	40 वर्ष से अनधिक (सरकारी कर्मचारियों के लिए विधिवत की जा सकती है)	नहीं	अनिवार्य :
		ग्रामपंचायत		नोट :—मायु सीमा अवधारण करने के लिए विधिवत कार्रवाई में रहने वाले अधिकारीयों से (उनसे भिन्न जो अन्दरामान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्ष्मीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियम की गई अंतिम तारीख होगी।			1. भारतीय केन्द्रीय विकित्सा परिषद् अधिनियम की द्वारा अनुमूलीकी के भाग-1 में सीधी अनुमूलीकी के भाग 1 में या चौथी अनुमूलीकी में शामिल कीई मान्यताप्राप्त विकित्साय प्राप्त होता।
							2. किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/सांविधिक राज्य बोर्ड/परिषद्/भारतीय विकित्सा पदाधिकारी के संकाय से मायुर्वेद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा या इसके समतुल्य।
							3. भारतीय विकित्सा पदाधिकारी के केन्द्रीय या किसी राज्य रजिस्टर में पंजीयन।
							4. किसी मान्यताप्राप्त मायुर्वेद प्रस्तावन/ब्रीफब्रालय/मेस्था में स्नातकोत्तर डिप्लोमा रखने वालों के लिए किसी जिम्मेदारी के पश्च पर काम करने का कम से कम 5 वर्ष का अनुभव और स्नातकोत्तर डिप्लोमा रखने वालों के लिए किसी जिम्मेदारी के पश्च पर कम से कम 8 वर्ष का अनुभव या किसी मान्यता

सलाहकार सलाहकार (आयुर्वेद)	एक	मामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "क"	1100-50-1600 रु०	चयन	40 वर्ष से अनधिक (सरकारी कर्मचारियों के लिए विधिवत की जा सकती है)	नहीं	अनिवार्य :
		ग्रामपंचायत		नोट :—मायु सीमा अवधारण करने के लिए विधिवत कार्रवाई में रहने वाले अधिकारीयों से (उनसे भिन्न जो अन्दरामान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्ष्मीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियम की गई अंतिम तारीख होगी।			1. भारतीय केन्द्रीय विकित्सा परिषद् अधिनियम की द्वारा अनुमूलीकी के भाग-1 में सीधी अनुमूलीकी के भाग 1 में या चौथी अनुमूलीकी में शामिल कीई मान्यताप्राप्त विकित्साय प्राप्त होता।
							2. किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/सांविधिक राज्य बोर्ड/परिषद्/भारतीय विकित्सा पदाधिकारी के संकाय से मायुर्वेद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा या इसके समतुल्य।
							3. भारतीय विकित्सा पदाधिकारी के केन्द्रीय या किसी राज्य रजिस्टर में पंजीयन।
							4. किसी मान्यताप्राप्त मायुर्वेद प्रस्तावन/ब्रीफब्रालय/मेस्था में स्नातकोत्तर डिप्लोमा रखने वालों के लिए किसी जिम्मेदारी के पश्च पर काम करने का कम से कम 5 वर्ष का अनुभव और स्नातकोत्तर डिप्लोमा रखने वालों के लिए किसी जिम्मेदारी के पश्च पर कम से कम 8 वर्ष का अनुभव या किसी मान्यता

1

2

3

4

5

6

7

8

प्राप्त संस्था या किसी अनुसंधान प्रयोगशाला/आयुर्वेदिक विधयों से संबंधित संस्था में प्रायुर्वेदिक विधयों को पढ़ाने का अनुभव ।

5. अंग्रेजी, संस्कृत तथा हिन्दी की अच्छी जानकारी ।

नोट 1. सुभाषित प्रधानियों के मामले में अहंताएं संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं ।

नोट 2. अनुभव संबंधी अहंताएं संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुभूषित जातियों ग्रथवा अनुभूषित जनजातियों के प्रधानियों के मामले में उम बासा में शिथिल की जा सकती हैं, जबकि चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि इनके लिए आरक्षित रिक्त स्थानों को भरने के लिए अधेष्ठित अनुभव रखने वाले इन समुदायों के अस्यार्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हों सकेंगे ।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अहंताएं प्रोफ्रेशन की दशा में लागू होनी या नहीं ।

परिवेक्षा की अवधि यदि पदोन्नति द्वारा अथवा प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण पद्धतियों की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की बाबा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोफ्रेशन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा ।

प्रोफ्रेशन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण यदि विभागीय प्रोफ्रेशन समिति भर्ती करने में किन हैं तो उसकी संरक्षना । परिस्थितियों में संघ सेवा आयोग से परामर्श किया जायगा ।

आयु: नहीं
अनियार्थी अहंता: हां

2 वर्ष प्रोफ्रेशन द्वारा, इसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा ।

प्रोफ्रेशन: अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) जिसने नियुक्ति के बाबा उम ग्रेड में 8 वर्ष की नियमित सेवा पूरी कर सी हो ।

1. समूह "क" विभागीय प्रोफ्रेशन प्रोफ्रेशन सीधी भर्ती समिति (प्रोफ्रेशन पर विचार और नियमों के किसी करने के लिए) जिसमें निम्न-प्रावधान को संशोधित/सिखित भवस्य होंगे: शिथिल करने समय

1. अध्ययन/सदस्य संघ लोक सेवा संघ लोक सेवा आयोग—अध्ययन। के साथ परामर्श

2. सचिव/प्रपर सचिव—सदस्य। करना ज़रूरी है ।

3. संयुक्त सचिव भारतीय चिकित्सा पद्धति प्रभाग का प्रभारी—सदस्य।

4. उप सचिव (भारतीय चिकित्सा पद्धति)—सदस्य।

5. निदेशक (प्रशासन)—सदस्य।

2. समूह "क" विभागीय प्रोफ्रेशन समिति (उम्मीदवारों को स्थायी करने पर विचार करने के लिए) जिसके निम्नलिखित भवस्य होंगे:—

1. सचिव/प्रपर सचिव/संयुक्त सचिव/भारतीय चिकित्सा पद्धति प्रभाग का प्रभारी—अध्ययन।

9	10	11	12	13	14
				<p>2. सलाहकार (आयुर्वेद)–सदस्य।</p> <p>3. उप मणिक, भारतीय चिकित्सा पद्धति प्रयोग का प्रभारी–सदस्य।</p> <p>नोट :—उम्मीदवारों को स्थायी करने संबंधी विभागीय प्रोत्साहन समिति का कार्यवृत्त आयोग को अनुभोदनार्थ भेजा जायेगा। यदि आयोग इसका अनुभोदन नहीं करता तो संबंधी लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या सदस्य की अध्यक्षता में विभागीय प्रोत्साहन समिति की नए सिरे से एक बैठक बुलाइ जाएगी।</p>	

[सं. ए. 12018/8/76-स्था. 1 (प्राई एस एम)]
इ. स. धकालिया, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd November, 1980

G.S.R. 1192.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Assistant Adviser (Ayurveda) (Group 'A' Technical Post) Recruitment Rules, 1979, namely :—

1. (1) These rules may be called the Assistant Adviser (Ayurveda) (Group 'A' Technical Post) Recruitment (Amendment) Rules, 1980.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. For the Schedule to the Assistant Adviser (Ayurveda) (Group 'A' Technical Post) Recruitment Rules, 1979, the following schedule shall be substituted, namely :—

SCHEDULE

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether post or non-selection post.	Age limit for direct recruits.	Whether benefit of added years of service admissible under rules 30 of the CCSC (pension Rules, 1972)	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
Asst. Adviser (Ayurveda)	one	General Central service Group 'A' Gazetted	Rs. 1100-50-1600	Selection	Not exceeding 40 yrs (Relaxable for Govt. servants). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).	No	<p>Essential :</p> <p>(i) A recognised medical qualification included in part I of the second Schedule, part I of the third Schedule or in the fourth schedule to the Indian Medical Central Council Act, 1970.</p> <p>(ii) post-graduate degree/diploma in Ayurveda from a recognised University/Statutory State Board/Council/Faculty in Indian Medicine or equivalent.</p> <p>(iii) Enrolment on the Central or a State Register of Indian Medicine.</p> <p>(iv) At least 5 years work in a responsible position in case of Post-graduate degree holders and at</p>

1

2

3

4

5

6

7

8

least 8 years work in a responsible position in case of post-graduate diploma holders in a recognised Ayurvedic Hospital/Dispensary/Institution or teaching of Ayurvedic subjects in a recognised institution or in a research Laboratory/Institution dealing with Ayurvedic subjects.

(v) Good knowledge of English, Sanskrit and Hindi.

Note 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.

Note 2. The qualifications regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to S.C./S.Ts, if, at any stage of selection, the UPSC is of the opinion that sufficient number of candidates from these Communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

Whether age and Period of educational qualifications prescribed if any, for direct recruits will apply in the cases of promotion.

Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.

In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.

If a DPC exists what is its composition.

Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment.

9

10

11

12

13

14

Age- No educational qualification
2 years
Yes.

By promotion failing which by direct recit.

Promotion Research Officer (Ayurveda) with 8 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.

(i) Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering promotion) consisting of:

1. Chairman/Member. —
2. Secretary/Additional Secretary— Member.
3. Joint Secretary — Incharge Indian System of Medicine Division— Member.
4. Deputy Secretary (Indian System of Medicine)— Member.
5. Director (Administration)— Member.

Consultation with UPSC necessary while making promotion direct recit. Union Public Service and amending/Commission—Chairman, relaxing any of the provisions of the rules.

8	9	10	11	12	13
				(ii) Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering confirmation, consisting of . 1. Secretary/Additional Secretary/Joint Secretary Incharge of Indian System of Medicine Division-Chairman. 2. Advisor (Ayurveda)—Member. 3. Deputy Secretary, Incharge of Indian system of Medicine Division—Member. Notes : The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If however these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Co-Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.	

स्वास्थ्य मंत्रालय

नई विल्सी, 29 अक्टूबर, 1980

स्रोत क्रा० नि० 1193—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परम्परुक द्वारा प्रदत्त प्रयोगों का प्रयोग करने द्वा०, केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान केन्द्र, पुणे समृद्ध "ग" पद भर्ती नियम, 1972 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, भर्तीतः—

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान केन्द्र, पुणे समृद्ध "ग" पद भर्ती (संशोधन) नियम, 1980 है।

2. केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान केन्द्र, पुणे समृद्ध "ग" पद भर्ती नियम 1972 की प्रान्तिकी के उपकरण भैक्षनिक के पद से संबंधित कम संख्या 35 के सामने, स्थान 6 में, विधान प्रविधि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविधि रखी जाएगी, भर्तीतः—

"18 से 30 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के मामले में शिखिल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है।"

टिप्पण—भर्ती नियम के स्थान 6 में उल्लिखित प्रायु सीमा प्रवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख प्रयोग मामले में भारत में रहने वाले अध्याधिकों से (उनसे जिस जो अन्दराना और तिकोशार नथा अक्षयद्वीप संघ राज्य क्षेत्रों में रहते हैं) प्रावेदन प्राप्त करने के लिए नियम की गई अंतिम तारीख होगी।

ऐसे पदों की वायत, जिन पर नियुक्ति रोजगार कार्यालय के माध्यम से की जाती है, आयु सीमा प्रवधारित करने की निर्णायक तारीख प्रयोग मामले में वह तारीख होगी जिस तारीख तक रोजगार कार्यालय से नाम भेजने के लिए कहा गया है।"

[सं० 1/80-क्रा० सं० 39/9/78-प्रणा० 1/स्था० दो]

एस० एस० ग्रेवाल, अव० सचिव

G.S.R. 1193.—In exercise of the powers conferred by the Provision to Article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Central Water and Power Research Station, Pune, Group 'C' posts Recruitment Rules, 1972, namely :

1. These rules may be called the Central Water and Power Research Station, Pune, Group 'C' posts Recruitment (Amendment) Rules, 1980.
2. In the Schedule to the Central Water and Power Research Station, Pune, Group 'C' posts Recruitment Rules, 1972, against serial No. 35 relating to the post of Instrument Mechanic, in column 6, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"18 to 30 years (relaxable upto 35 years in the case of Government servants in accordance with the instruction or orders issued by the Central Government).

Note.—The crucial date for determining the age limit mentioned in Col. 6 of the Recruitment Rules will in each case be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than the Union Territories of Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).

In respect of post, the appointment to which are made through the Employment Exchange, the crucial date for determining the age limit in each case will be the last date upto which the Employment Exchange are asked to submit the names."

[No. 1/80-F. No. 39/9/78-Adm. I] [Estt. II]
S. S. GREWAL, Under Secy.

प्राप्तीण प्रत्यनिष्ठण मंत्रालय

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1980

सातोकाला 1194. — राष्ट्रपति, इस विषय पर सभी द्वयी आदेशों को अधिकान्त करते हुए और संविधान के अनुलेख 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ग्रामीण नियन्त्रित मंत्रालय में कनिष्ठ विशेषक (कार्य अध्ययन) और अनुसंधान सहायक (कार्य अध्ययन) के पदों पर भर्ती की पदवी का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

१. संक्षिप्त नाम श्री प्रारम्भ:— (१) इन नियमों का संभिप्त नाम ग्रामीण पुनर्निर्माण भवालय, कनिष्ठ विश्लेषक (कार्य अध्ययन) श्री अनुसंधान संसाधारक (कार्य अध्ययन) भर्ती नियम, १९८० है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

ये नियम इससे उपाबद्ध भ्रान्तसंघी के सम्म में विनिर्दिष्ट पद/पदों को लाग होंगे।

2. पद संक्षय, वर्गीकरण और वेतनमान: उक्त पदों की संक्षया, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान ये होंगे जो इससे उपायद्र अनुसूचा के स्तम्भ 2 से 4 में विविरित हैं।

3. भर्ती की पढ़ति, आयु सीमा और अन्य प्रहेताएँ: उक्त पदों पर भर्ती की पढ़ति, आयु सीमा, प्रहेताएँ और उससे संबंधित अन्य जाते वे होंगी जो उक्त अनुसंधी के स्तरम् 5 से 13 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरहंताएँ : घट व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(अ) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, उसका पूरा नियमित कालावास नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का सम्बाधन हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञे है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छुट्टे सकेगी।

5. नियम शिखिल करने की भाष्मित —जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीत है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हों, उन्हें लेखबद्ध करके तथा संद लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या अवर्ग के व्यक्तियों या पदों की बाबत, आदेश द्वारा शिखिल कर सकेगी।

प्रसादी

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	जनन पद अवश्यक अवधित पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए प्राप्य सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए प्रवेशित रौशिक और अन्य अद्वानाएं
1	2	3	4	5	6	7
1. कंपिल विष्लेषक (कार्य प्रध्ययन)	एक	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह व राजपत्रित श्रिलिपिकवर्गीय।	650-30-740-35-810-र० रो०-35-880-40-1000-र० रो०-40-1200 र०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
2. अनुसंधान सहायक (कार्य प्रध्ययन)	एक	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह व राजपत्रित श्रिलिपिकवर्गीय।	550-25-750 द०रो०-30 900 र०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

सीधे मर्ती किए जाने परिवेश की
बाले व्यक्तियों के अवधियाद कोष्ठे
लिए व्यक्तिगत आयु हो
झार योक्तिक भर्तुलारं
प्रोप्रति की वश में
आय सुनी या मही

भर्ती की पद्धति—भर्ती सीधे हो या प्रोक्षण द्वारा या प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती की जांच आनी रिक्षियों की प्रतिशतताएँ

प्रोत्संहिता/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण
द्वारा भर्ती की वशा में थे श्रेणियाँ
जिनसे प्रोत्संहिता/प्रतिनियुक्ति/स्था-
नान्तरण किया जायेगा।

यदि विभागीय प्रोक्षणि भर्ती करने में किन समिति है तो उसकी संरचना परिस्थितियों में संध लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता।	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा (जिसके अत्यंत अस्थायिक संविदा भी है)	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा (जिसके अत्यंत अस्थायिक संविदा भी है) केन्द्रीय सरकार के अधिकारी जिसके	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति/संविदा पर नियुक्ति के लिए किसी राज्य सरकार या लोक संस्कर उपक्रम आदि

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा।	न हो सकने पर अपेक्षानुसार राज्य सरकारें या लोक सेवकर उपकरणों या स्वशासी अथवा स्थानीय निकायों के ऐसे अधिकारी— (1) जिनके पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की उपाधि या समतुल्य हैं; (2) जिन्होंने पांच वर्ष की सेवा पूरी की है और जो 650-1200 रु. या समतुल्य बेतनमान वाला पद नियमित आधार पर धारण कर रहे हैं; या जिन्होंने 425-800 रु./425-700 रु. या समतुल्य बेतनमान माले पदों पर कम से कम आठ वर्ष सेवा की हैं); (3) जिन्होंने संविधालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान, रक्षा कार्य अध्ययन संस्थान का उच्च प्रबन्ध सद वाढ़कम अथवा किसी अन्य मान्यता प्राप्त संस्था से तुलनीय प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है या करने के पात्र हैं।	से किसी अधिकारी का व्यवहार और उन नियमों के किसी उपबन्ध को संशोधित/शिक्षित करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक होगा।	
स्पष्टीकरण : यदि किसी अधिकारी का, जिसने उक्त पाठ्यक्रम पहले से नहीं किया है, उपर्युक्त जगत् वाला हो जाता है तो, उससे यह अपेक्षा की जाएगी कि वह उक्त पाठ्यक्रम शीघ्रतम पूरा करे और उसका पद पर बने रहना इस भर्ती के अधीन होगा कि वह अपनी नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष के भीतर उक्त पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करें। (प्रतिनियुक्ति या संविदा की अवधि पांच वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	प्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय में लागू नहीं होता केन्द्रीय सरकार के अधिकारी जिनके न हो सकने पर केन्द्रीय सरकार के ग्रन्थ मंत्रालयों/विभागों के ऐसे अधिकारी— (1) जिनके पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की उपाधि या समतुल्य है; (2) जिन्होंने 425-800 रु./425-700 रु. या समतुल्य बेतनमान के पदों	इन नियमों के किसी उपबन्ध को संशोधित/शिक्षित करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक होगा।			

8

9

10

11

12

13

पर कम से कम पांच वर्ष
नियमित सेवा की है; और

(3) जिन्होंने सचिवालय और
प्रबन्ध संस्थान का बुनि-
यादी प्रबन्ध सेवा पाठ्य-
क्रम अध्ययन किसी अन्य
मान्यताप्राप्त संस्थान से
तुलनीय प्रशिक्षण सफलता-
पूर्वक पूरा कर लिया है
या कर सकने के पावळ हैं।

स्वाक्षीकरण : यदि किसी अधिकारी का, जिसने उक्त
पाठ्यक्रम पहले से नहीं किया
है, वहन हो जाता है तो, उससे
यह अपेक्षा की जाएगी कि वह
उक्त पाठ्यक्रम शीघ्रतम
पूरा करे और उसका पद पर
बने रहता इस शर्त के प्रतीन
होगा कि वह अपनी नियुक्ति
की तारीख से एक वर्ष के
भीतर उक्त पाठ्यक्रम को
सफलतापूर्वक पूरा करे।

(प्रतिनियुक्ति की अवधि
सामान्यतः तीन वर्ष से
अधिक नहीं होगी)

[सं. ए-12018/11/79-स्था-I]
हम्मर नाथ, अधर सचिव

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

New Delhi, the 8th September, 1980

G.S.R. 1194.—In supersession of all previous orders on the subject and in exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of junior Analyst (Work Study) and Research Assistant (Work Study) in the Ministry of Rural Reconstruction :

1. (1) Short title and commencement :—(1) These rules may be called the Ministry of Rural Reconstruction, Junior Analyst (Work Study) and Research Assistant (Work Study) Recruitment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications :—The method of recruitment, age limit, qualifications

and other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 5 to 13 of the said schedule.

4. Disqualifications :—No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government, may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of posts or persons.

SCHEDULE

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or Non-selection post	Age-limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
1. Junior Analyst (Work Study)	One	General Central Service Group 'B' Gazetted, Non-ministerial	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200	Not applicable	Not applicable	Not applicable

Whether age and educational qualifications prescribed if any for direct recruits will apply in the case of promotees

Period of probation, if any

Method of rectt./whether by direct recruitment or by transfer on deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by each method

In case of recruitment by probation, by direct recruitment or by transfer on deputation/transfer & percent- age of the vacancies to be filled by each method

If a D.P.C. exists, what is its composition

Circumstances under which the U.P.S.C. is to be consulted in making rectt.

8	9	10	11	12	13
Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation (including short-term contract)	By transfer on deputation including short-term contract -- Officers of the Central Government, failing which officers of the State Governments or Public Sector Undertakings or autonomous or local bodies according to requirement, who shall have : (i) a degree of a recognised University or its equivalent; (ii) rendered at least 5 years, regular service and should be holding a post carrying the scale of Rs. 650-1200 or its equivalent on a regular basis; OR rendered at least 8 years regular service in posts carrying the scale of Rs. 425-800/ Rs. 425-700 or equivalent; (iii) completed successfully, or be eligible to undergo, the Advanced Management Services Course of the Institute of Sectt. Training & Management, Defence Institute of Work Study or a comparable training in any other recognised Institution.	Not applicable	Consultation with the UPSC is necessary while selecting an officer from a state Govt. or a Public Sector Undertaking etc. for appointment on deputation/contract and for amending/relaxing any of the provisions of these rules.

Explanation : If an Officer who has not already undergone the said course is selected, he shall be required to undergo the said course at the earliest and his continued retention in the post shall be subject to the condition that he completes the said course successfully within one year of the date of his appointment.

(Period of deputation or contract shall not exceed 3 years).

1	2	3	4	5	6	7
2. Research Assistant (Work Study)	One	General Central Service	Rs. 550-25-750- EB-30-900 'B', Non-gazetted Non-ministerial	Not applicable	Not applicable	Not applicable
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation	Officers of the Central Government in the Ministry of Rural Reconstruction failing which officers in other Ministries/ Departments of the Central Govt, who shall have :	Not applicable	The UPSC shall be consulted while amending/ relaxing any of the provision of these rules.	
			(i) a degree of a recognised University or its equivalent;			
			(ii) rendered at least 5 years' regular service in posts in the scale of Rs. 425-800/ 425-700 or equivalent; and			
			(iii) completed successfully or be eligible to undergo the Basic Management Services Course of the Institute of Secretariat and Management or a comparable training in any other recognised Institution.			
			Explanation : If an officer who has not already undergone the said course is selected, he shall be required to undergo the said course at the earliest and his continued retention in the post shall be subject to the condition that he completes the said course successfully within one year of the date of his appointment. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years);			

की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके कि उससे प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा सूचना भी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पेंतालीस दिन की अवधि के बाद विचार किया जाएगा।

2. ऊपर विनियोग की समाप्ति से पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत जो भी भाष्येप या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उम्म पर विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. (1) इन नियमों का नाम टूटीकोरिन पत्तन (अवतरण स्थानों के उपयोग का विनियमन) संशोधन नियम, 1980 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रदूष होंगे।

2. टूटीकोरिन पत्तन (अवतरण स्थानों के उपयोग का विनियमन) नियम, 1977 में नियम 2 में,—

(1) उपनियम (4) के स्थान पर, निम्नलिखित उपनियम रखा जाए, अध्यात्:—

“(4) (क) भावा, पर्यासिति, भनुजापत्र या पट्टे में विनियोग रीत से देय होगा।

(ख) किराए की भद्रायगी के लिए नियिष्ट तारीख तक यदि किराए का भुगतान करने में, भनुजापत्र के मामले में सात दिनों से भन्नधिक भी पट्टा धारी के मामले में 30 दिनों से भन्नधिक की चूक हो तो भनुजापत्र धारक या पट्टाधारी जैसी भी स्थिति हो, किराए की भकाया राशि के अतिरिक्त, चूक की अवधि के लिए बकाये की इकडूटी राशि पर 15 प्रति वर्ष की दर से ब्याज देगा।

(ग) यदि चूक की अवधि भनुजापत्र के मामले में सात दिनों भी पट्टाधारी के मामले में 30 दिनों से अधिक हो तो, पट्टाकर्ता, भनुजापत्र धारी या पट्टाधारी की जैसी भी स्थिति हो, कम से कम सात दिनों की लिखित नोटिस देने के बाद, भनुजापत्र या पट्टे के अन्तर्गत उसे भावित भूमि पर पुनः अधिकार कर सकता है।

(घ) भूमि पर इस तरह पुनः अधिकार करने के भावले में, भनुजापत्र धारी या पट्टाधारी, जैसी भी स्थिति हो, इस तरह के पुनः अधिकार किए जाने पर किसी प्रकार के मुशावरे का हकदार नहीं होगा और नहीं भूमि पर किए गए मुशावरों को हटाने या ने जाने का हकदार होगा।

(ङ) इस नियम के अन्तर्गत कियाये की बकाया राशि पर उस समय तक कोई भी ब्याज नहीं लगेगा जब तक कि भनुजापत्र धारी या पट्टाधारी जैसी भी स्थिति हो, को मुनावर का समुचित अवसर न दिया जाए।”

(2) ऊपर नियम (8) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाए, अध्यात्:—

“(8) इन नियमों के अधीन लिए गए भनुजापत्र या पट्टे का भी अधिक अवधि के लिए नवीकरण अपेक्षित हो, तो इस संबन्ध में संबन्धित व्यक्ति द्वारा उक्त भनुजापत्र या पट्टे की अवधि की समाप्ति से पूर्व, भनुजापत्र की वशा में सात दिन भी पट्टों की वशा में तीस दिन पहले मुख्य हंजीनियर और प्रशासक को नया आवेदन किया जाना चाहिए।

परन्तु, यह भी कि जब ऐसा व्यक्ति नियिष्ट अवधि के अन्दर ऐसा नया आवेदन करता है, तो विधान भनुजापत्र या पट्टा, जैसी भी स्थिति हो, उन्हीं शर्तों और निर्बन्धनों पर उस समय तक विधि मान्य रहेगा जब तक कि नये आवेदन का विनियमन न कर दिया जाए।”

(3) ऊपर नियम (1), (2) और (5) में “मुख्य हंजीनियर और प्रशासक” शब्दों के स्थान पर, जहां कहीं भी वे भाए हों, “यातायात प्रबंधक” शब्द रखे जाएंगे।

(4) ऊपर नियम (6) में, “मुख्य हंजीनियर और प्रशासक” शब्दों के स्थान पर “संरक्षक” शब्द रखा जाएगा।

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Ports Wing)

New Delhi, the 29th October, 1980.

G.S.R. 1197.—The following draft of certain rules, further to amend the Port of Tuticorin (Regulation of the Use of Landing Places) Rules, 1977, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by clause (jj) of sub-section (1) of Section 6 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), is hereby published as required by sub-section (2) of the said section 6, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of forty five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Port of Tuticorin (Regulation of the Use of Landing Places) Amendment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 2 of the Port of Tuticorin (Regulation of the Use of Landing Places) Rules, 1977—(1) for sub-rule (4), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

“(4)(a) The rent shall be payable in the manner specified in the permit card or of the lease deed, as the case may be.

(b) Any default, not exceeding seven days in the case of permit card and thirty days in the case of lease deed, in making payment of rent by the date on which it becomes due, shall make the permit card holder or the lessee, as the case may be, liable to pay, in addition to the amount of arrears of rent, an interest at the rate of 15 per cent per annum on the accumulated arrears for the period of such default.

(c) In case the default exceeds seven days, in respect of permit card and thirty days in respect of lease deed, the lessor may, after giving a notice in writing of not less than seven days to the permit card holder or the lessee, as the case may be, resume possession of the land allotted to him under the permit card or the lease deed.

(d) In the case of such a resumption of possession of land, the permit card holder or lessee, as the case may be, shall not be entitled to claim any compensation on account of such resumption of possession or to remove and take away the improvements, if any, made by him on the land.

(e) No interest on arrears of rent under this rule shall be levied except after affording a reasonable opportunity of being heard to the permit card holder or lessee, as the case may be.”

(2) for sub-rule (8), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

“(8) If the renewal of the permit issued or the lease entered into under these rules is required for a further period, a fresh application in this behalf shall be made by the person concerned, not less than seven days in advance in the case of permit and thirty days in advance in the case of lease, before the expiry of the period of validity of the said permit or lease:

Provided that where such person makes such fresh application within the period so specified the existing permit or lease, as the case may be, shall remain valid after the period of its validity on the existing terms and conditions, until such fresh application has been decided.”

(3) In sub-rules (1), (2) and (5) for the words ‘Chief Engineer and Administrator’ wherever they occur, the words ‘Traffic Manager’ shall be substituted;

(4) in sub-rule (6), for the words ‘Chief Engineer and Administrator’ the word ‘Conservator’ shall be substituted.”

[No. PGL-80/77]

M. R. GATHWAL, Under Secy.

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर, 1980

सांकेतिको 1198.—महापत्रन न्यास प्रधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) के द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "कोचीन पत्तन कर्मचारी (प्रवक्ताम) प्रयत्न संशोधन विनियम, 1979" शीर्षक विनियम को अनुमोदित करती है जो उक्त प्रधिनियम की धारा 124 की उपधारा (2) के साथ पठित इसी प्रधिनियम की धारा 28 के द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कोचीन पत्तन न्यासियों के द्वारा निर्मित हुए और जो केरल सरकार के राजपत्र दिनांक 31-7-1979 तथा 7-8-1979 में प्रकाशित हुए थे।

उक्त विनियम भारत राजपत्र में इस प्रधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से लागू होगा।

[सं. पी. डब्ल्यू/पी. ई. एस-67/79]

(Transport Wing)

New Delhi, the 31st October, 1980

G.S.R. 1198.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 read with sub-section (1) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves of the Regulation entitled "Cochin Port Employees (Leave) First Amendment Regulations, 1979" made by the Board of Trustees of the Port of Cochin in exercise of the powers conferred by section 28 read with sub-section (2) of section 124, of the said Act, and published in the Kerala Government Gazette dated the 31-7-79 and the 7-8-1979.

The said regulations shall come into force on the date of the publication of this notification in the Official Gazette.

[No. PW-PEK-10/80]

सांकेतिको 1199.—महापत्रन न्यास प्रधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) के द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 'कांडला पत्तन न्यास कर्मचारी गृह निर्माण के लिए प्रयोग की स्वीकृति विनियम, 1978' शीर्षक संशोधन का अनुमोदित करती है जो कांडला पत्तन न्यासी मंडल के द्वारा उक्त प्रधिनियम की धारा 124 की उपधारा 2 के साथ पठित धारा 28 के द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्मित किया गया तथा गुजरात सरकार के राजपत्र दिनांक 13 मार्च, 1980 तथा 20 मार्च, 1980 में प्रकाशित हुआ था।

उक्त प्रधिनियम, राजपत्र में प्रधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से लागू होगा।

[सं. पी. डब्ल्यू/पी. ई. एस-10/80]

विमल पांडे, अवर सचिव

G.S.R. 1199.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 read with sub-section (1) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves of the Regulation entitled 'Amendment to Kandla Port Employees (Grant of Advances for Building of Houses) Regulations, 1978' made by the Board of Trustees of the Port of Kandla in exercise of the powers conferred by section 28 read with sub-section (2) of Section 124, of the said Act, and published in the Gujarat Government Gazette dated the 13th March, 1980 and the 20th March, 1980.

The said Regulation shall come into force on the date of publication of this Notification in the Official Gazette.

[No. PW-PEK-10/80]
BIMAL PANDE, Under Secy.

(पत्तन पक्ष)

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 1980

सांकेतिको 1200.—महापत्रन न्यास प्रधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 13 के साथ पठित उक्त प्रधिनियम की धारा 3 के द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा विशाखापत्तनम पत्तन के न्यासी मंडल में विशाखापत्तनम चैम्बर आफ कामर्स, विशाखापत्तनम का न्यासी के रूप में प्रतिनिधित्व करते के लिए श्री ए. के. एस. दत्त के स्थान पर श्री प्राह्लाद राजू के निर्विचित होने की घोषणा करती है तथा भारत सरकार, नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की प्रधिसूचना संभ्या सांकेतिको 303 (प्र०) दिनांक 31 मार्च, 1979 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

नीचे दी गई सारी में अम संभ्या 13 में "श्री के.एस. दत्त" के स्थान पर "श्री प्राह्लाद राजू" पढ़ा जाये।

[फा. सं. : पी. डब्ल्यू/पी. टी. बी-48/80]

एस. पी. और उप-सचिव

(Ports Wing)

New Delhi, the 3rd November, 1980

G.S.R. 1200.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3, of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), read with section 13, the Central Government hereby notifies the election of Shri I. S. Raju, as a trustee representing the Vizagapatam Chamber of Commerce, Visakhapatnam, on the Board of Trustees of the Port of Visakhapatnam vice Shri K. S. Dutt and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. G.S.R. 373(E), dated the 31st March, 1979, namely:—

In the table below the said notification, against serial number 13, for the entry "Shri K. S. Dutt", the entry "Shri I. S. Raju", shall be substituted.

[F. No. PW/PTB-48/80]
S. P. JAIN, Deputy Secy.

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर, 1980

सांकेतिको 1201.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुकुछ द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेशक, राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन के कार्यालय के अधीन समूह "ष" के पदों पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ--(1) इन नियमों का नाम राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन (समूह "ष" पर) भर्ती नियम, 1980 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. लागू होना:—ये नियम इन नियमों से उपर्युक्त अनुसूची के स्तरम् 1 में विनियोजित पदों को लागू होंगे।
3. पद मंस्या, कर्मीकरण और धेनमान:—उक्त पदों की मंस्या, उनका कर्मीकरण और उनके धेनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तरम् 2 से 4 तक में विनियोजित हैं।
4. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अहताएं आदि:—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अहताएं और उनसे संबंधित अन्य बाबतें वे होंगी, जो पूर्वान्वित अनुसूची के स्तरम् 3 से 13 तक में दियों विनियोजित हैं।

५ मिरहंसाएः-- वह अनित-

(क) जिसमें ऐसे व्यक्तियों से, जिसका पता था कि विद्युतीय घटना जीवित है, विवाह किया है या

(अ) यिसमें भ्रमजे रहते थे भ्रमनी पानी के अधिक गोते हए किसी घटित में विवाह किया हो।

उन्हें पानी से भिली पूरे लिया दिया करा जाता रहा हो तीरा।

परस्तु यदि बैतौरीय सरकार का समर्पण हो जाए कि ऐसा विवाह हेसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पकाकारों को लागू स्वीकृति के अधीन अनुबोध हो और ऐसा करने के लिए अन्य आवधार भीजाए हैं तो वैहं किंसी व्यक्ति को इस नियम के प्रबंधन से छुट्ट दे सकती।

6 नियम प्रियायन करने की प्रविति—जहाँ कल्याण संस्कार को राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीची है वहाँ वह, उससे विषय जो कारण है उसमें लेखावध करके इन नियमों के लिए उत्तराध्य को लियी वहाँ या प्रवर्त्तन के व्यवितरों या पटों को बांधत, आवेद्य करा, शिखित कर सकेंगे।

प्रसादी

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 23rd October, 1980

G.S.R. 1201.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Group 'D' posts under the office of the Director, National Buildings Organisation (NBO) namely :—

1. Short title and commencement :—(i) These rules may be called the National Buildings Organisation (Group D Posts) Recruitment Rules, 1980.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application :—These rules shall apply to the posts specified in Column 1 of the Schedule annexed to the rules.

3. Number of Posts, Classification and Scales of Pay :—The number of posts, their classification and scales of pay attached thereto shall be as specified in Columns 2 to 4 of the said schedule.

4. Method of Recruitment, Age limit and other qualification :—The method of recruitment, age limit, qualifications

and other matters relating to the said posts shall be as specified in Columns 5 to 13 of the said schedule.

5. Disqualifications :—No person who has entered into or contracted (a) a marriage with a person having a spouse living, (b) or who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person, for appointment to any of the said posts shall be eligible provided that the Central Government, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

6. Powers to relax :—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by orders for reason to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservation, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the Post	No. Posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection or Non-selection post	Age limit for direct recruits	Education and other qualifications required for direct recruit
1	2	3	4	5	6	7
Mastry	5	Open, Central Service Group 'D' non-gazetted	Rs. 200-3-206-4-234-EB-4-250	Non-selection	N.A.	N.A.
Peon	14	do-	Rs. 196-3-220-EB-3-232	N.A.	Between 18-25 years. (relaxable upto 35 yrs. for Govt. servants)	Essential : Middle standard pass. Desirable : Knowledge of cycling.

Whether age and educational qualifications if any prescribed for direct recruit will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment, by direct recruitment or by promotion/transfer, grades from promotion or transfer & which promotion is to be percentage of vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/transfer, grades from promotion or transfer & which promotion is to be made	If a DPC exists, what is its composition.	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
---	-----------------------------	---	---	---	--

8	9	10	11	12	13
N.A.	2 years	By promotion	Peons with 3 years regular service in NBO.	Dy. Director (Incharge of Admin.) — Chairman Dy. Director — Member SO (Adm.) — Member	N.A.
N.A.	75% direct recruitment, 25% by transfer falling which by direct recruit.	Transfer from grades of Chowkidar, Safaiwala, Safaiwala-cum-Farash, who have put in a minimum of five years of service in the respective grade and who possess elementary literacy and can read either English, Hindi or regional language.	do.	N.A.	

1	2	3	4	5	6	7
Attendant	2	-do-	-do-	do-	-do-	Middle standard pass. Must be able to read English and Hindi or Regional language.
Safaiwala, safaiwala-cum-Farash	3	-do-	-do-	-do-	-do-	Essential : One year experience of the job. Desirable : Primary standard pass.
8	9	10		11	12	13
-do-	-do-	By direct recruitment		N.A.	-do-	-do-
-do-	-do-	-do-		-do-	-do-	-do-

[No. A. 12018/1/75-PS]

मुद्रित पत्र

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर, 1980

क्रा०का०ग्रि० 1202/318—सम्पर्क प्रधिकारी भर्ती नियमों में संबोधन के संबंध में नियमण और भावास मंत्रालय की अधिसूचना सं० ए-12034/10/78-प्रसा० विवाक 5-8-79 के अधीन नियम 5, शिक्षित करते की शक्ति, को निम्नप्रकार से पढ़ा जाएः—

जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखदृढ़ करके तथा संश लोक सेवा आयोग के परामर्श से किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रबंग के अधिकारियों के संबंध में, आयोग द्वारा शिक्षित कर सकेगी।

[सं० ए-12034/10/78-प्रसा० (पी०एस०)]
वी० प्रसाम, अव० सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 27th October, 1980

G.S.R. 1202/218.—In the Ministry of Works and Housing Notification No. A. 12034/10/78-Adm. dated 5-9-79 regarding the amendment of the Recruitment Rules for the post of Liaison Officer under Rule 5 Power to relax may be read as under :—

"Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient to do, it may by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any Class or categories of Persons".

[No. A. 12034/10/78-Adm. (PS)]
G. PRADHAN, Under Secy.

(नियमित प्रमाण)

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1980

क्रा०का०ग्रि० 1203.—राष्ट्रपति, सीधधान के प्रनुच्छेद 309 के परत्तुक द्वारा प्रवत अधिकारियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय लोक नियमण किभाग (अधीनस्थ कार्यालय) वर्ग 4 पर भर्ती नियम, 1980 को अधिकारित करते हुए, केन्द्रीय लोक नियमण किभाग (अधीनस्थ कार्यालय) में समूह "ब" के पक्षों पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं प्रयत्नः—

1. संक्षिप्त नाम और प्राप्ति: (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय लोक नि रिं विभाग, (अधीनस्थ कार्यालय) समूह "ब" पर भर्ती नियम, 1980 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाश की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पदों के नाम और उनकी संख्या, वर्गीकरण और वेतनमात्रा—उक्त पदों के नाम और उनकी संख्या, उनकी वर्गीकरण और उनके वेतनमात्रा दे होंगे जो इन नियमों के उपाधान अनुसूची के सम्म 2 से 5 में विविधित हैं।

3. भर्ती की पद्धति, प्रायू सीमा और प्रहृष्टार्थः—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, प्रायू सीमा, प्रहृष्टार्थ और उनसे संबंधित प्रत्य वाले के दोनों जो पूर्णोक्त अनुसूची के सम्म 6 से 14 में विविधित हैं।

4. अपरासी के रूप में नियुक्त अधिकारियों का हीमगार्ड के रूप में प्रशिक्षण लेने का वायिलः—इन नियमों में किसी वात के होते हुए भी, इन नियमों के अधीन अपरासी के रूप में नियुक्त प्रत्येक अधिकारित हीमगार्ड के रूप में तीन वर्ष का प्रशिक्षण लेगा।

प्रत्तु प्रशिक्षण के दौरान किसी अधिकत के कार्य तथा उसके द्वारा प्राप्त प्रशिक्षण स्तर को स्थान में रखते हुए महासमावेषा, होमगार्ड उसके लिए जो कारण हैं, उन्हें लेखदृढ़ करके, ऐसी अवधि को घटाकर वीर्य कर सकेगा।

5. निरर्देशादः—वह अधिकत :

(क) जिसने ऐसे अधिकत से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसमें अपने पति या पत्नी के जीवित होते हुए किसी अधिकत से विवाह किया है।

उक्त पद पर नियुक्त का पाल नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाद ऐसे अकिञ्चन घोर विवाह के अन्य पक्षकार का लागू स्वीय विधि के अधीन अन्य-
र्थ है और ऐसा करने के लिए मन्त्र प्राप्ति है तो वह फिरो अकिञ्चन को इन नियम के प्रवर्तन से छोट बना सकती।

6. नियम शिखिल करने की शक्ति-—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या सभीचीन है, वहाँ वह उसके लिए जो कारण है उनसे लेवरेंस करें। इन नियमों के किनी उपचारों को किसी वर्ष या प्रयोग के अवधियों या पर्दों की आवृत्ति, आवेद द्वारा शिखिल कर सकती।

7. व्यावृत्ति:- इस नियमों की कोई भी जात तेसे आरक्षण, आयु सीमा में लूट प्रौढ़ अन्य रिकावर्स पर प्रभाव नहीं होतेगी, जिनका केमीटी सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आवेदनों के अन्याय अनुसन्धित जातियों अनुमूलित जनजातियों और अन्य विशेष प्रबर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसारी

क्रम सं०	पद का नाम	पदों की संख्या	धर्मीकरण	वेतनमान	चयन प्रथवा प्रभवन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए प्रायुषीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक प्रौर ग्रन्थ घर्हणाएं
1	2	3	4	5	6	7	8
1	दफ्तरी	1931	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ब" प्रारंभिक	200-3-206-4- 234-०रो-०-4 240 रुपये	प्रख्यान लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
2	चपराई	14631	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ब" प्रारंभिक	196-3-220- द०रो-०-३-२३२ रुपये	लागू नहीं होता	18 से 25 वर्ष के बीच*	मिडिल स्कूल परीक्षा

सीधे भर्ती किए जाने वाले परिवीक्ष
व्यक्तियों के लिए विहित अवधि ग
भायु भी सीधिक ग्रहण्ठाएं
प्रोप्रति की दशा में लागू
होगी या नहीं

भर्ती की पढ़ति/भर्ती सीधे होती
या प्रोफ्रेट द्वारा या प्रतिनियुक्ति/
स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न
पढ़तियों द्वारा भरी जाने वाली
रिक्तियों की प्रतिशतता

प्रोश्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण
द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां
जिनसे प्रोश्नति/प्रतिनियुक्ति/स्था-
नान्तरण किया जाएगा।

यदि विभागीय प्रोत्साहन समिति
है तो उसकी संरचना

9	10	11	12	13	14
सागू नहीं होता	धो वर्ष	प्रोफेशन द्वारा	ऐसे चपरासी और बरकन्दाज जिन्होंने निविल स्कूल परीक्षा उत्तीर्ण की है और चपरासी/बरकन्दाज के रूप में तीन वर्ष की सेवा की है।	1. अधीक्षक इंजीनियर सागू नहीं होता (समन्वय) — अध्ययन 2. उसी सक्रिय का कार्य- पालक इंजीनियर — संबन्ध 3. अन्य सक्रिय का कार्य- पालक इंजीनियर — सदस्य (ऊपर वर्णित अधिकारियों में से एक भनुसूचित जाति/भनुसूचित जनजाति का सदस्य होना चाहिए)	

साथ नहीं होता

दो वर्ष

(i) 75% सीधी भर्ती द्वारा
 (ii) 25% स्थानान्तरण द्वारा

ऐसे सकाईवालों, फराशों और
भीकीदारों में से स्थानांतरण
जिन्होंने अपनी आपनी श्रेणियों
में कम से कम 5 वर्ष नियमित
सेवा की है और जो प्रायमिक
रूप से साक्षर हैं और अप्रेजी
या हिन्दी या प्रादेशिक भाषा
पढ़ने की योग्यता रखते हैं।

1. अधीक्षक हंगीनियर लागू नहीं होता
(समन्वय) — मदस्य
2. उसी सकिल का बोर्ड-
पालक हंगीनियर—मदस्य
- 3 अन्य सकिल का कार्ड-
पालक हंगीनियर—मदस्य
(अमर बिंदु प्रधानारियों
में से एक अनुसूचित जाति
अनुसूचित जनजाति का
मदस्य ज्ञाना चाहिए)

1	2	3	4	5	6	7	8
3	चौमिश्वर	1489 [†]	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह “ब” प्रारंभिक	196-3-220- १०००-३-२३२ सम्पूर्ण	लागू नहीं होता	18 और 25 वर्ष के बीच*	आवश्यक : कुछ नहीं बालनीय प्राइमरी स्तर पास
4	चत्तासी	10 [‡]	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह “ब” प्रारंभिक	196-3-220- १०००-३-२३२ सम्पूर्ण	लागू नहीं होता	18 और 25 वर्ष के बीच*	आवश्यक : कुछ नहीं बालनीय प्राइमरी स्तर उत्तीर्ण
5	सफाईकाला	704 [†]	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह “ब” प्रारंभिक	196-3-220- १०००-३-२३२ सम्पूर्ण	लागू नहीं होता	18 और 25 वर्ष के बीच*	आवश्यक : कुछ नहीं बालनीय प्राइमरी स्तर उत्तीर्ण

9	10	11	12	13	14
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीबी भर्ती-हारा	लागू नहीं होता	1. अधीक्षक इंजीनियर लागू नहीं होता (सम्बन्ध) — प्रधान 2. उसी सकिल का कार्य- पालक इंजीनियर—सदस्य 3. अन्य सकिल का कार्य- पालक इंजीनियर—पद्धति (अपर वर्गित अधिकारियों में से एक अनुदूषित जा- ति/अनुदूषित जन- जाति का सदस्य होना चाहिए)	प्राथमिक लागू नहीं होता
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीबी भर्ती हारा	लागू नहीं होता	1. अधीक्षक इंजीनियर लागू नहीं होता (सम्बन्ध) — प्रधान 2. उसी सकिल का कार्य- पालक इंजीनियर—सदस्य 3. अन्य सकिल का कार्य- पालक इंजीनियर—सदस्य (अपर वर्गित अधिकारियों में से एक अनुदूषित जा- ति/अनुदूषित जनजाति का सदस्य होना चाहिए)	लागू नहीं होता
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीबी भर्ती हारा	लागू नहीं होता	1. अधीक्षक इंजीनियर लागू नहीं होता (सम्बन्ध) — प्रधान 2. उसी सकिल का कार्य- पालक इंजीनियर—सदस्य 3. अन्य सकिल का कार्य- पालक इंजीनियर—सदस्य (अपर वर्गित अधिकारियों में से एक अनुदूषित जा- ति/अनुदूषित जनजाति का सदस्य होना चाहिए)	प्राथमिक लागू नहीं होता

1	2	3	4	5	6	7	8
फराश	66†	साधारण केंद्रीय सेवा	1963-220-	लागू नहीं होता	18 और 25 वर्ष के बीच*	प्रावश्यक :	

समूह "ब" प्रशासनिक स्पेशल डॉगो-

3-232

कुछ नहीं

बाठनीय :

प्राइमरी स्वर उत्तीर्ण

†टिप्पणी :

कार्यभार
के आधार
पर संचया
में परि-
वर्तन किया
जा सकता
है।

*मरम्मानी सेवकों के लिए

प्रायिक करके 35 वर्ष
तक की जा सकती। आयु
सीमा अवशारित करने
की निर्णायक नारीबं
प्रदेश मामले में, यह
नारीश होगी जिस तरु
रेजगार कायानिय से नाम
भेजने के लिए कहा गया

है।

9	10	11	12	13	14
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	1. अधीक्षण हेजीनियर—लागू नहीं होता (समन्वय) —अव्यक्त	

1. अधीक्षण हेजीनियर—लागू नहीं होता

(समन्वय) —अव्यक्त

2. उमी गर्कित का कार्य-
पालक हेजीनियर—पदस्थ

3. अन्य सक्रिय का कार्य-
पालक हेजीनियर—पदस्थ
(अन्य विभिन्न अधिकारियाँ
में से एक अनुसूचित जाति
/अनुसूचित जनजाति का
होता चाहिए)

[मा० ३०/३/७५—४० सी० ४]

(Works Division)

New Delhi, the 24th October, 1980

G.S.R. 1203.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Central Public Works Department (Subordinate Offices) Class 'IV' posts Recruitment Rules, 1960, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Group 'D' posts in the Central Public Works Department (Subordinate Offices), namely :—

1. Short title and commencement :—(1) These rules may be called the Central Public Works Department (Subordinate Offices) Group 'D' posts Recruitment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Name and Number of posts, classification and scale of pay.—The names and number of posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 2 to 5 of the Schedule annexed to these rules

3. Method of recruitment, age limit, and qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 6 to 14 of the Schedule aforesaid.

4. Liability of persons appointed as Peons to undergo training as Home Guards :—Notwithstanding anything contained in these rules, every person appointed as a Peon under these rules shall undergo training as a Home Guard for a

period of three years provided that the Commandant General, Home Guards may, having regard to the performance of and standard of training achieved by any person during the period of training, reduce such period to two years for reasons to be recorded in writing.

5. Disqualification :—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person;
shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax :—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, and for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Savings.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Schedule I Caste, the Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Sl. No.	Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether selection or non-selection	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
---------	--------------	-------------	----------------	--------------	------------------------------------	-------------------------------	---

1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Daftri	193*	General Central Service, Group 'D' non-gazetted	Rs. 200-3-206-4- 234-EB-4-240.	Non-selection	Not applicable	Not applicable
2.	Peon	1463*	General Central Service Group 'D' non-gazetted	Rs. 196-3-220- EB-3-232.	Not applicable	Between 18—25 years**	Middle School Examination.

*Note : The number is subject to variation dependent on work load.

**Note : Relaxable for Government servants upto 35 years. The crucial date for determining the age limit shall in each case be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.

Whether age and other qualifications prescr- ed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of rectt. whether by direct rectt., or by deputation/transfer promotion or by deputa- tion/transfer and percen- tage of vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/ by deputation/transfer from which promotion/ deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruit- ment
---	-----------------------------	--	---	---	--

9	10	11	12	13	14
Not applicable	2 years	By promotion	Peons and Barkandazes who have passed middle school examination and have put in three years service as peons/ Barkandazes.	1. Superintending Engineer (Coordination)—Chairman 2. Executive Engineer of the same Circle—Member 3. Executive Engineer of other Circle—Member (one of the Officers mentioned above should be a member of Scheduled Castes/Scheduled Tribes)	Not applic- able

Not applicable	2 years	(i) 75% by direct rectt. (ii) 25% by transfer	Transfer from amongst safai-walas, Farashes, Chowkidars, who have put in a minimum of 5 years regular service in the respective grade and who possess elementary literacy and ability to read either English or Hindi or Regional language.	1. Superintending Engineer Not applicable (Coordination)—Chairman 2. Executive Engineer of the same Circle—Member 3. Executive Engineer of other Circle—Member (one of the Officers mentioned above should be a member of Scheduled Castes/Scheduled Tribes)
----------------	---------	--	---	---

1	2	3	4	5	6	7
Chowkidar	1489*	General Central Service Group 'D' non-gazetted.	Rs. 196-3-220- EB-3-232	Not applicable	Between 18-25 years. Note: Relaxable for Government servants upto 35 years. The crucial date for determining the age limit shall in each case be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	Essential : Nil Desirable : Primary standard pass.
Khallasi	10*	General Central Service Group 'D' non-gazetted	Rs. 196-3-220- EB-3-232	Not applicable	Between 18-25 yrs. Note: Relaxable for Government servants upto 35 years. The crucial date for determining the age limit shall in each case be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	Essential : Nil Desirable : Primary standard pass.
Safaiwala	704*	General Central Service Group 'D' non-gazetted.	Rs. 196-3-220- EB-3-232	Not applicable	Between 18-25 years. Note: Relaxable for Government servants upto 35 years. The crucial date for determining the age limit shall in each case be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	Essential : Nil Desirable : Primary standard pass.
8	9	10	11	12	13	
Not applicable.	2 years	By direct recruitment.	Not applicable.	1. Superintending Engineer (Coordination) — (Chairman)	Not applicable.	
Not applicable.	2 years	By direct recruitment.	Not applicable.	2. Executive Engineer of the same Circle—(Member)		
Not Applicable.	2 years	By direct recruitment.	Not applicable.	3. Executive Engineer of other Circle—(Member) (One of the Officers mentioned above should be a member of Scheduled Castes/Scheduled Tribes).		
				1. Superintending Engineer (Coordination) — Chairman	Not applicable.	
				2. Executive Engineer of the same Circle—(Member)		
				3. Executive Engineer of other Circle—(Member) (One of the Officers mentioned above should be a member of Scheduled Castes/Scheduled Tribes).		
				1. Superintending Engineer (Coordination) — Chairman	Not applicable.	
				2. Executive Engineer of the same Circle —Member.		
				3. Executive Engineer of other Circle—(Member) (One of the Officers mentioned above should be a member of Scheduled Castes/-		

1	2	3	4	5	6	7
Parash	65*	General Central Service Group 'D' EB-3-232 non-gazetted	Rs. 196-3-220-	Not applicable	Between 18-25 years Note: Relaxable for Government servants upto 35 years. The crucial date for determining the age limit shall be in each case be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	Essential : Nil Desirable: Primary standard pass.

*Note—The number is subject to variation dependent on workload.

8	9	10	11	12	13
Not applicable.	2 years	By direct recruitment	Not applicable.	Scheduled Tribes.) 1. Superintending Engineer (Coordination) (Chairman) 2. Executive Engineer of the same Circle (Member) 3. Executive Engineer of other Circle—(Member) (One of the officers mentioned above should be a member of Scheduled Castes/Scheduled Tribes.)	Not applicable.

[No. 39/3/75-ECIV]

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर, 1980

सांख्यिकी 1204—गार्डलारी, संविधान के अनुच्छेद 309 के पान्तक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (अधीनस्थ कार्यालय) आशुलिपिक (सामान्य श्रेणी) भर्ती नियम, 1972 का और संशोधन करते के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रथमतः—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (अधीनस्थ कार्यालय) आशुलिपिक लोक निर्माण विभाग (संशोधन) नियम 1980 है।

(2) ये राजपत्र से प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय सौन्दर्य नियमित विभाग (अधीनस्थ कार्यालय) आशुलिपिक (सामान्य श्रेणी) भर्ती नियम, 1972 की अनुसूची में, स्तरम् 7 के प्रथमतः विद्यमान प्रविधि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविधि रखी जाएगी, प्रथमतः—

“मैट्रिकुलेशन या संस्कृत और पंजाबी या हिन्दी में आशुलिपि में 80 श.प्र.मि. की गति से अध्यर्थियों से जो हिन्दी में आशुलिपि परीक्षण का विकल्प देते हैं, नियमित के पांचाल अप्रेजी में आशुलिपि सीखने की अपेक्षा की जाएगी और जो पंजाबी में आशुलिपि परीक्षण का विकल्प देते हैं, हिन्दी में आशुलिपि सीखने की अपेक्षा की जाएगी।”

[सं० 33/89/77-ई० सं० 4]
गृह मुख्यमंत्री, अनुमान अधिकारी (विशेष)

New Delhi, the 27th October, 1980

G.S.R. 1204.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Public Works Departments (Subordinate Offices) Stenographers (Ordinary Grade) Recruitment Rules, 1972, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Public Works Department (Subordinate Offices) Stenographer (Ordinary Grade) (Amendment) Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Central Public Works Department (Subordinate Offices) Stenographer (Ordinary Grade) Recruitment Rules, 1972, for the entry under Column 7, the following entry shall be substituted, namely :

“Matriculation or equivalent with a minimum speed of 80 w.p.m. in Shorthand in Hindi or English and 35 w.p.m. in typewriting in Hindi or 40 w.p.m. in typewriting in English. Candidates who opt to take the shorthand test in Hindi will be required to learn stenography in English and vice versa, after their appointment.”

[No. 33/89/77-EC-IV]
S. MUKHERJEE, Section Officer(Special)

पर्यटन और नागर विमानन संस्थान

ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ, 30 ਅਕਤੂਬਰ, 1980

सांकांति० 1205—भारत राजपत्र के भाग II छंड 3, उग-खंड
 (i) दिनांक 24 मई, 1980 के पुँछ 1182-1184 के पैरा 2 में
 प्रकाशित भारत सरकार, पर्यटन श्रीमान नायार विमानन मंत्रालय की अधिसूचना
 सं० सांकांति० 578, दिनांक 8 भूंड (2) को संशोधित
 करके निम्न प्रकार से पढ़ा जाएः

“वायुयान, वायुयान घटकों तथा वायुयान में सगे उपकरणों, जिनका कूल मिलाकर बजेत 15,000 किलोग्राम या इसमें कम हो के अनुरक्षण, ओवरहॉल, परिवर्तन, भरभूत, निरोक्षण, अभिक्रिया प्रमस्करण, आदि में नियोजित प्रकाशन कलाओं/संस्थानों/स्कूलों परं रसाइंडिंग कलाओं/किरणों/स्कैपों से प्राप्तुमोदेन प्रथमा नवीकरण के लिए कोई युपीय नहीं ली जायेगी।”

[फाइल मं० प० वी० 11012/17/78-प०]
प्रम० प्रकाश्मरम्, तिदेश्वर

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION
ERRATUM

New Delhi, the 30th October, 1980

G.S.R. 1205.—In the Notification of the Government of India in the Ministry of Tourism and Civil Aviation GSR 578 dated the 8th May 1980, published on pages 1182-1184 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (i), dated the 24th May 1980, under paragraph 2, Note (2) may be amended to read as follows :—

"No fees will be charged for approval or renewal from Flying Clubs/Institutes/Schools and Gliding Clubs/Centres/Wings engaged in maintenance, overhaul, modification, repair, inspection, treatment, processing, etc. of aircraft, aircraft components and items of equipment installed in aircraft having all-up weight of 15,000 kgs. and below".

[F. No. Av. 11012/17/78-A]
S. EKAMBARAM, Director

सचिना और प्रसारण नंदालव

नई विल्ली, 13 अक्टूबर, 1980

साठ. क्रा० नि० 1206.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आकाशवाणी (समृद्ध अ पद) भर्ती नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए नियमितिकृत नियम बनाते हैं। अधिकारी—

1 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम ग्राकाशवाणी (मम्ह ख पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1980 है।
 (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।
 2 ग्राकाशवाणी (मम्ह ख पद) भर्ती नियम, 1962 में,
 (क) स्तम्भ 7 और 8 के दोनों निम्नलिखित स्तंभ और उसका शीर्षक अंत स्थापित किया जाएगा, अर्थात्—
 “एक सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा एकीक्रम भिन्न भिन्न सेवा (वेश्वन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुबंध है या नहीं”
 (ख) क्रम संख्या 22 और उससे संबंधित प्रविधि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविधियां प्रतिस्थापित की जाएंगी—

માનવાદી

आकाशवाणी में विस्तार संधिकारी के स्वर के लिए अर्थी लिप्त

1

2

3

4

5

6

7

निष्ठायक तारीख,
भारत में रहने वाले
आधारियों से (उनमें
मिल जो अंडमान और
निकोबार द्वीप तथा अक्ष-
द्वीप में रहते हैं) आवेदन
प्राप्त करने के
लिए नियत की गई
मंत्रिम नामीक होगी।

(2) स्वास्थ्य शिक्षा/समाज
शिक्षा/जन संचार/ दृष्ट्य
श्रव्य शिक्षा/जन संपर्क
में प्रशिक्षण।

(3) परिवार नियोजन के
क्षेत्रों में शैक्षिक शीक्ष में
या लोक स्वास्थ्य कार्य-
क्रमों के प्रशिक्षण/अनु-
संधान का 5 वर्ष का
अधिकारिक अनुबन्ध।

(4) प्रावेशिक भाषाओं/
बोलियों का ज्ञान।
(पर्ती के समय उपदर्शित की
जाने वाली प्रयोग के
अनुसार)

टिप्पण 1.—झैतां, प्रायथा
सुनिश्चित आधारियों की
दशा में संघ लोक
सेवा आयोग के विवेका-
नुसार शियल की
जा सकती है।

टिप्पण 2.—अनुभव संबंधी
(झैतां) संघ लोक
सेवा आयोग के विवेका-
नुसार अनुशूचित जन-
कातियों के अध्यार्थियों
के मामले में उस
दशा में शियल की जा
सकती है, जब कि अपने
के किसी प्रक्रम पर
संघ लोक सेवा आयोग
की राय है कि
उसके लिए आरक्षित
रिक्तियों को भरने
के लिए अपेक्षित अध-
भव रखने जाने उन
समुदायों के अध्यार्थी
पर्याप्त संख्या में उप-
लब्ध नहीं हो सकेंगे।

वास्तुनीय:

(1) स्वास्थ्य शिक्षा में स्नान-
कौतुर झैतां;

(2) स्वास्थ्य शिक्षा संबंधी
सामग्री जैसे ऐम्फ्लेट
पोस्टर, फिल्म ट्रिप,
प्रवर्ष आदि तथा
करने और उनका
प्रयोग करने का
अनुभव।

क्षा सीधी भर्ती के परिवेश की भर्ती की विविध सीधी भर्ती द्वारा उम्मीदवारों के लिए प्रक्रिया यदि कोई या पदोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न विधियों से भर्ती जाने वाली रिक्तियों का प्रतिगत

भर्ती की विविध सीधी भर्ती द्वारा या पदोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न विधियों से भर्ती जाने वाली रिक्तियों का प्रतिगत

यदि पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्था-
नांतरण द्वारा भर्ती होना हो-
ता तो वे ग्रेड जिनमें पदोन्नति/
प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा

यदि कोई विभागीय परिस्थितिया जिनमें
पदोन्नति समिति हो तो भर्ती के लिए संच-
उसकी संरक्षण क्षया है। लोक सेवा आयोग
का परामर्श लिया
जाना है।

8

9

10

11

12

13

नहीं

2 वर्ष

50 प्रतिक्रिया प्रोत्साहित द्वारा जिसके प्रोत्साहितः—
नहीं सकते पर प्रतिनियुक्ति
पर स्थानांतरण द्वारा और
दोनों के नहीं सकते पर सीधी
भर्ती द्वारा। 50 प्रतिशत सीधी
द्वारा।

एसे फील्ड रिपोर्टर जिन्होंने उम्मी-
दीय में पात्र वर्ष नियमित होंगे:—
सेवा की है और जिनके पास (क) उप महानिवेशक (पी) अधिकारी का व्यव-
उस क्षेत्र की जिसमें पव अध्य-
स्थित है, भाषा/दोनों का ज्ञान (2) उप महानिवेशक
है।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण
केन्द्रीय/राज्य सरकारों के अधीन
कार्य करने वाले अधिकारी
जो सदृश पव धारण किए
हुए हैं या ऐसे अधिकारी
जिन्होंने अमर्श : 500-900
रु. / 475-700 रु. के या
समतुल्य बेतवामान वाले पदों
पर अमर्श : 3/8 वर्ष सेवा
की है और जिनके पास संभ-
8 में दिए गए औरे के अनुमार
सीधी भर्ती किए जाने वाले
व्यक्तियों के लिए विहित
प्रक्रियाएं और अनुभव हैं।
(प्रतिनियुक्ति की प्रक्रिया साधा-
रणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं
होगी)

समूह "ख" विभागीय सीधी भर्ती द्वारा ज्यान
प्रोत्साहित जिसमें निम्नलिखित वर्तते समय, प्रति-
नियुक्ति पर किसी
सेवा की है और जिनके पास (क) उप महानिवेशक (पी) अधिकारी का व्यव-
—प्रध्यक्ष
स्थित है, भाषा/दोनों का ज्ञान (2) उप महानिवेशक
है।

वंध को संलग्नित/
—सरस्य
—सरस्य
(3) निवेशक (प्रशासन संबं लोक सेवा
और वित्त) आयोग से परामर्श
—सरस्य
टिप्पणी:—पुष्टि से संबं-
धित विभागीय प्रोत्साहि-
त समिति की कार्यकालिया
संघ लोक सेवा आयोग
के अनुसोदनार्थ भेजी
जाएगी। किन्तु, यदि संघ
लोक सेवा आयोग इसका
अनुसोदन नहीं करता है,
तो विभागीय प्रोत्साहि-
त समिति की बैठक संघ
लोक सेवा आयोग के
प्रध्यक्ष या किसी सरस्य
की अध्यक्षता में फिर से
होगी।

[सं. ए-12019/7/78-प्र०(८)]

प्रार० श्री जोशी, प्रबन्ध सचिव

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 13th October, 1980

G.S.R. 1206.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules, further to amend the All India Radio (Group B Posts) Recruitment Rules, 1962, namely :

1. (1) These rules shall be called the All India Radio (Group B Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the All India Radio (Group B Posts) Recruitment Rules, 1962 :

(a) between Column 7 and 8 the following column and heading thereto shall be inserted, namely :—

"7A. Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972".

(b) for Serial No. 22 and the entries, relating thereto the following shall be substituted :—

SCHEDULE

Revised recruitment rules for the post of Extension Officer, All India Radio

S. No.	Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection Post or non-Selec- tion Post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of cations required for added years of Service admissi- ble under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifi- cations required for direct recruits	8.
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	"7 A"		
"22. Extension Officer.	22	G.C.S. Group 'B' Gazetted Non-Mini- strial.	Rs. 650-35- 740-810-EB- 35-880-40-1000- EB-40-1200.	Selection.	Not excee- ding 35 yrs. (Re- laxable for Govt. servants). Note: The crucial date for determi- ning the age limit shall be the closing date for receipt of appli- cations from candidates in India (other than those in Anda- man and Nicobar Islands & Laksha- dweep).	No.	Essential: (i) Bachelor's degree in Social Science/Education/Nursing/ Journalism from a rec- ognised University or equi- valent. (ii) Training in Health Educa- tion/Social Education/Mass Communication/Audio- Visual Education/Public Rela- tions. (iii) 5 years' practical experi- ence in educational aspects of family planning, or in training/research in public health programme. (iv) Knowledge of the regional language/dialect (according to requirement to be indi- cated at the time of recit.) Note : 1 Qualifications are relax- able at the discretion of the UPSC in case of candidates otherwise well qualified. Note : 2 The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the UPSC in the case of candidates belonging to Sche- duled Castes & S.Ts if, at any stage of selection, the UPSC is of the opinion that sufficient number of candi- dates from these communi- ties possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. Desirable: (I) Post-graduate qualifications in Health Education. (II) Experience in production and use of Health Educa- tion materials such as pamphlets, posters, film- scripts, exhibits, etc.		

Whether age and Period of educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promoted

Method of rectt. whether Probation, by direct rectt. or by promotion or by deputation/ transfer & percentage of deputation/transfer to be the vacancies to be filled made by various methods

In case of rectt. by promotion/deputation / transfer, grants from which promotion/ transfer & percentage of deputation/transfer to be made

If a DPC exists what is its composition

Circumstances in which U.P. S.C. is to be consulted in making rectt.

9	10	11	12	13	14
No	2 yrs.	50% by promotion failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment, 50% by direct recruitment.	<p>Promotion:</p> <p>Field Reporters with 5 yrs. regular service in the grade and having knowledge of the language/dialect of the region in which the post is located.</p> <p>Transfer on deputation:</p> <p>Officers under the Central/ State Govts. holding analogous posts or with 3/8 years' service in posts in the scale of Rs. 550-900/-Rs. 425-700 or equivalent respectively and possessing the educational qualifications and experience of the type prescribed for direct recruits under Col. 7. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).</p>	<p>Group 'B' D.P.C. comprising of:</p> <p>(i) Dy. Director Gen. (P)—Chairman.</p> <p>(ii) Dy. Director Gen. (I)—Member.</p> <p>(iii) Director (Ad. & Fin.)—Member.</p> <p>Note: The proceedings of the DPC relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval, if, however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.</p>	<p>Union Public Service Commission shall be consulted while making direct recruitment, selecting an officer for appointment on deputation and amending/relaxing any of the provisions of these rules.</p>

[No. A-12019/7/78-B(A)
R. D. JOSHI, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर, 1980

सां. का० नि० 1207.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त मासियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एवं द्वारा पूर्ण तथा निपटान महानिदेशालय के पूर्ण, निपटान तथा निरीक्षण सम्बन्धी क्षेत्रीय कार्यालयों में आणुलिपिक (ग्रेड-2) के पदों पर भर्ती को पद्धति को वित्तियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं। प्रथमः—

1. संक्षिप्त नाम और आवधि:—ये नियम पूर्ण तथा निपटान महानिदेशालय के पूर्ण, निपटान महानिदेशालय के पूर्ण, निपटान तथा निरीक्षण सम्बन्धी क्षेत्रीय कार्यालयों के आणुलिपिक (ग्रेड-2) भर्ती नियम, 1980 के जारी हैं।

2. संक्षार, वर्गीकरण तथा वेतनमान:—पदों की मुख्य उपका. वर्गीकरण प्रो० उपके वेतनमान वे होंगे, जो कथित अनुसूची के स्तरमें १ से ५ में विनिविष्ट हैं।

3. भर्ती को पद्धति, आयु-सीमा तथा अर्हताएं आदि:—उपक पद के संबंध में भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा तथा अर्हताएं भी तत्व सम्बन्धी धर्म वादों के द्वारा, जो कथित अनुसूची के स्तरमें ५ से १३ तक में विनिविष्ट हैं।

अनहृताएः—कोई भी अविक्षित—

(क) जिसने किसी देसे अविक्षित से विवाह किया है जिसकी पत्नी/जिसका पति जीवित है।

अविक्षित

(ख) जिसने अपनी पत्नी/अपने पति के जीवित रहते हुए किसी अन्य अविक्षित से विवाह किया हो—।

उपक पद पर नियुक्ति का पालन नहीं होगा।

परंतु यदि केन्द्रीय सरकार का व्यवाधान हो जाता है कि गेने व्यक्ति पर और जिस अवक्ति में विवाह किया गया है, उस पर लाल हांसे काले तिथी कानून के प्रत्यर्गत हैं कि विवाही व्यवाधान के अन्य व्याधार हैं, तो वह इन विधम के प्रवर्तन में किसी व्यक्ति को छुट्टी दे सकती है।

५. शिविल करने की शिक्षा—जला केंद्रीय सरकार की यह राय है कि गिरा करना आशयक या सीधीचिन है, वहाँ वह प्रदेश द्वारा निश्चित रूप से शक्ति का जास लाने का एक तरीका है किंतु भी वर्ष या अविक्षयों के लिए वहाँ से इन नियमों के उपबंधों में से किसी को भी शिविल कर सकती है।

६. छट्ठा—ठठन निर्माणों की कार्यता शान्त प्रत्युत्तिवाचन जातियों, अनुमतिवाचन जन-जातियों तथा अन्य विशेष वर्गों के अधिकारियों के निलंबन केन्द्रीय संग्राम द्वारा हम गंभीर में समझ-समझ पर जारी किए थे, आज तक तथा अब चिन्हायां पर प्रभाव नहीं डालेंगे।

अनुसन्धी

पद का नाम	पदों की संख्या	दर्शकरण	वेतनमान	प्रत्यरूप सीधी भर्ती वालों के सीधी भर्ती वालों के लिए प्रैक्षणिक अप्रत्यरूप पद	लिए आय सीमा	ददा अन्य अर्हताएँ	1	2	3	4	5	6	7
प्राप्ति विभाग (प्राप्ति 4)	1	प्राप्ति विभाग	125.15-5.00 लाख	प्रत्यरूप	प्रत्यरूप विभाग	प्रत्यरूप विभाग							

कथा मोदी भर्ती बालों के लिए विडियो आपूर्य और प्रैंकिक अहंकार पदावनि को दरगां में लगा है	परिवेशकों ग्रवर्धि यदि कोई हो	भर्ती को पढ़ति क्या भर्ती सार्वां हागो या पदोन्नति द्वारा या प्रतिविविक्ष्यानालयण द्वारा श्रीगी और विभिन्न पद पियों द्वारा भरी जाने वालों
---	----------------------------------	---

पदार्थति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण
द्वारा भर्ती की वशा में वे ग्रेड
जिनमें पदार्थति/प्रतिनियुक्ति
स्थानान्तरण किए जायेंगे।

क्या विभागीय पदान्तरि वे परिस्थितिया जिनमें
समिति विद्यमान है तो भंड लोक सेवा
उसकी संरक्षण क्या है आयोग में भर्ती
के लिए परामर्श
किया जायेगा ।

लागू नहीं होता 2 अर्पण

पद्मोभिति द्वारा

पदोन्नति:- आशुलिपिक (प्र० ३) गठन—
उसी शेष में ५ अर्थ की नियमित (१) व
देश।

13

(2) अरिष्ट प्रूप 'क' का
एक अधिकारी जो इन
काम से मन्द हो
—सदस्य

(3) अन्य कार्यालय से वर्ता
प्रूप 'क' का एक अधिकारी
—सदस्य

(4) सहायक निदेशक (प्र
गत) — सदस्य

[सं ८-१२०१८/३/८०-स्थापना-२]

New Delhi, the 27th October, 1980

G.S.R. 1207.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Stenographer (Grade-II) in the Regional Supplies, Disposals and Inspection offices of the Directorate General of Supplies and Disposals, namely :—

1. Short title and commencement:—(1) These rules may be called the Directorate General of Supplies and Disposals Regional Supplies, Disposals and Inspection Offices Stenographer (Grade-II) Recruitment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and Scale of Pay :—The number of the post, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications, etc :—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualifications :—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that, the Central Government may, satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax :—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection Post or non-selection post	Age for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits	
1	2	3	4	5	6	7	
Stenographer (Grade II) (Thirteen)	13	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Ministerial	Rs. 425-15-500- EB-15-560-20- 700	Non-Selection	Not applicable	Not applicable	
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recrt. whether by direct recrt. or by promotion or by deputation/ transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recrt. by promotion/ deputation / transfer, grades from which promotion deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment		
8	9	10	11	12	13		
Not applicable	2 years	By promotion	Promotion: Stenographers (Grade III) with 5 years regular service in grade.	Consisting of : 1. Head of Office—Chairman 2. Senior Group 'A' Officer concerned with the work—Member 3. Senior Group 'A' Officer from another office—Member 4. Assistant Director (Administration) —Member	Not applicable.		

[No. A.12018/3/80-ES-II]

K.K. SHARMA, Under Secy.

